Drishti IAS

करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

जनवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **3**

- कुंभ मेला 2025 के लिये डिजिटल टिकट बुकिंग 3
- महाकुंभ का डिजिटल परिवर्तन 4
- NMCG की 59वीं कार्यकारी समिति की बैठक 7
- गोमती नदी पुनरुद्धार के लिये टास्क फोर्स 8
- उत्तर प्रदेश में उच्च रक्तचाप में खतरनाक वृद्धि 9
- महाकुंभ 2025 11
- उत्तर प्रदेश में जातिगत अत्याचार की शिकायत 12
- संभल मस्जिद मामला 14
- हरित महाकुंभ 15
- महाकुंभ में महाप्रसाद सेवा 16
- UP में 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' नियम लागू 17
- महाकुंभ मेला 2025: विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन 18
- उत्तर प्रदेश घाटे में चल रही डिस्कॉम के निजीकरण की संभावना तलाश रहा है 19
- मकर संक्रांति और अमृत स्नान (शाही स्नान) 20
- AMU को गृहकर बकाया के लिये अल्टीमेटम प्राप्त हुआ 22
- मियावाकी पद्धति 22
- महाकुंभ मेले में लगी आग 23
- महाकुंभ 2025 में AI का प्रयोग 24
- संभल में हिरासत में मृत्यु 25
- उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने महाकुंभ में प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी दी 26
- प्रयागराज का पहला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 29
- उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2025 30
- उत्तर प्रदेश का पहला डबल डेकर बस रेस्टोरेंट 31
- अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का नया क्षेत्रीय कार्यालय 31
- धनौरी आर्द्रभूमि 33
- गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की झाँकी 34
- पद्म पुरस्कार 2025 35
- बलिया में संभावित पेट्रोलियम भंडार 37
- महाकुंभ 2025 में मची भगदड़ 38
- अनाधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करने हेतु नए नियम 39

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

कुंभ मेला 2025 के लिये डिजिटल टिकट बुकिंग

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में रेलवे ने **कुंभ मेला 2025** से पहले **यात्रियों के लिये टिकट बुकिंग को डिजिटल बनाने हेतु स्वयंसेवकों के लिये QR स्कैनर युक्त जैकेट पेश किये हैं।**

मुख्य बिंदु

- **अधिकारियों की तैनाती:**
  - प्रयागराज मंडल के **उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारी** पीछे **QR कोड लगे फ्लोरोसेंट हरे रंग के जैकेट पहनेंगे।**
    - **भक्तजन अनारक्षित टिकट प्रणाली (UTS) मोबाइल ऐप तक पहुँचने** के लिये QR कोड को स्कैन कर सकते हैं।
  - यह ऐप यात्रियों को लंबी कतारों से बचाकर **डिजिटल रूप से अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा देता है।**
  - इस आयोजन के दौरान रेलवे **10,000 से अधिक नियमित ट्रेनें** और 3,000 से अधिक **विशेष ट्रेनें** चलाएगा।
- **महाकुंभ रेल सेवा 2025 ऐप:**
  - रेलवे ने ट्रेनों की समय-सारिणी, गेस्ट हाउस की जानकारी, हेल्पलाइन नंबर आदि जानकारी देने के लिये **एक ऐप और पोर्टल लॉन्च किया है।**
  - 1.3 लाख श्रद्धालुओं की क्षमता वाले 28 अतिथि गृहों में आगंतुकों के लिये व्यवस्था की जाएगी।
  - 1 नवंबर, 2024 से एक **टोल-फ्री नंबर 1800-4199-139 सक्रिय हो गया है।**
    - 1 जनवरी, 2025 से यह **हेल्पलाइन 24x7 संचालित होगी, जिसमें** ओडिया, तमिल, तेलुगु, मराठी और बंगाली में कुशल बहुभाषी कॉल ऑपरेटर होंगे।
  - रेलवे की घोषणाएँ हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, ओडिया, पंजाबी और असमिया सहित **12 भाषाओं में की जाएँगी।**

कुंभ मेला

- **परिचय:**
  - यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है, अर्थात्-
  - **हरिद्वार में, गंगा** के तट पर।
  - **उज्जैन में, शिप्रा** के तट पर।
  - **नासिक में, गोदावरी** (दक्षिण गंगा) के तट पर।
  - **प्रयागराज** में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य **सरस्वती के संगम** पर।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कुंभ के विभिन्न प्रकार:**
  - कुंभ **मेला 12 वर्षों में 4 बार** मनाया जाता है।
  - **हरिद्वार और प्रयागराज** में, **अर्द्ध-कुंभ मेला हर छठे वर्ष** आयोजित किया जाता है।
  - महाकुंभ **मेला** 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
  - **प्रयागराज में हर साल माघ (जनवरी-फरवरी)** महीने में **माघ कुंभ** मनाया जाता है।

महाकुंभ का डिजिटल परिवर्तन

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार **महाकुंभ 2025** में तीर्थयात्रियों की संख्या पर नज़र रखने के लिये **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सक्षम कैमरों, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) रिस्टबैंड** और **मोबाइल ऐप ट्रैकिंग का उपयोग करने जा रही है।**

मुख्य बिंदु

- **महाकुंभ 2025 का अवलोकन:**
  - सरकार को उम्मीद है कि महाकुंभ के दौरान लगभग 450 मिलियन श्रद्धालु आएँगे, जो कि **UNESCO द्वारा मान्यता प्राप्त मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** है।
  - यह **विश्व का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है,** जहाँ तीर्थयात्री नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं।
- **महाकुंभ का डिजिटल परिवर्तन:**
  - **डिजिटल और AI-आधारित पहल:**
    - कार्यक्रम की जानकारी के लिये एक **समर्पित वेबसाइट और ऐप का शुभारंभ।**
    - **AI-संचालित चैटबॉट 11 भाषाओं में** उपलब्ध है।
    - लोगों और वाहनों के लिये **QR कोड-आधारित पास।**
    - आगंतुकों के लिये बहुभाषी **डिजिटल खोया-पाया केंद्र।**
- **ICT और निगरानी प्रणालियाँ:**
  - सफाई और टेंट आवास के लिये **ICT निगरानी।**
  - **भूमि एवं सुविधा आवंटन** और बहुभाषी डिजिटल साइनेज के लिये सॉफ्टवेयर।
  - स्वचालित राशन आपूर्ति प्रणाली और **ड्रोन आधारित निगरानी** एवं **आपदा प्रबंधन।**
  - **530 परियोजनाओं के लिये वास्तविक समय निगरानी सॉफ्टवेयर** और एक इन्वेंट्री ट्रैकिंग प्रणाली।
  - सभी **आयोजन स्थलों को गूगल मानचित्र पर एकीकृत करना।**
- **बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ:**
  - **भक्तों के लिये घाट**
  - स्नान की सुविधा के लिये 35 स्थायी घाट और नौ **नये घाटों का निर्माण किया गया।**
  - सभी 44 घाटों पर 12 किलोमीटर क्षेत्र में **हवाई पुष्प वर्षा की योजना बनाई गई है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उन्नत आगंतुक अनुभव:**
  - **भीड़ प्रबंधन और सुविधा बढ़ाने के लिये बहुभाषी डिजिटल साइनेज** और अन्य तकनीकी सहायताएँ।

रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (RFID)

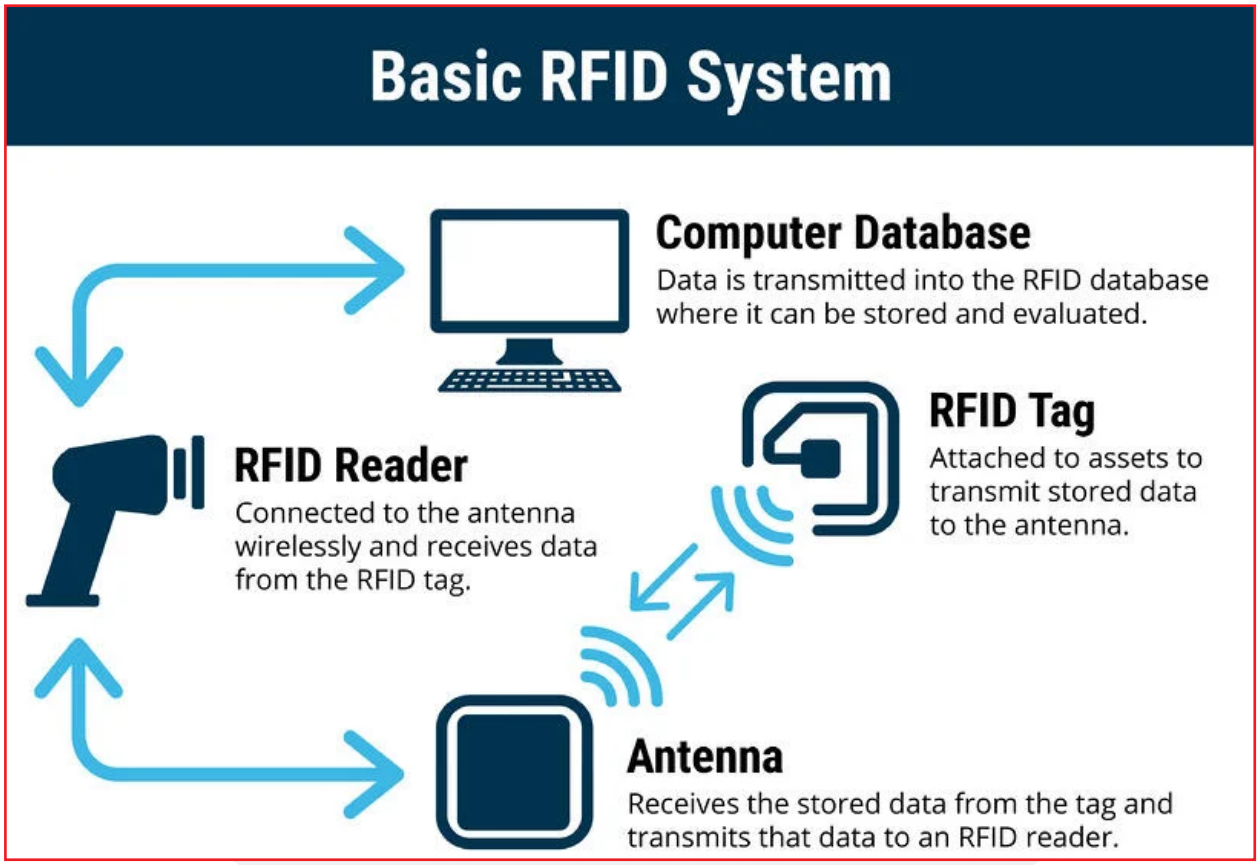

- RFID एक **प्रकार की निष्क्रिय वायरलेस तकनीक है** जो किसी वस्तु या व्यक्ति की ट्रैकिंग या मिलान की अनुमति देती है।
- **इस प्रणाली के दो मूल भाग हैं: टैग और रीडर।**
  - **रीडर रेडियो तरंगें छोड़ता है और RFID टैग से सिग्नल प्राप्त करता है,** जबकि टैग अपनी पहचान और अन्य जानकारी **संप्रेषित करने के लिये रेडियो तरंगों का उपयोग करता है।**
  - **टैग को कई फीट की दूरी से पढ़ा जा सकता है** और उसे ट्रैक करने के लिये रीडर की सीधी दृष्टि रेखा के भीतर होना आवश्यक नहीं है।
- इस प्रौद्योगिकी को **1970 के दशक से पहले ही मंज़ूरी मिल गई थी, लेकिन** वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन और पालतू जानवरों की माइक्रोचिपिंग जैसी चीजों में इसके उपयोग के कारण **हाल के वर्षों में** यह काफी प्रचलित हो गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

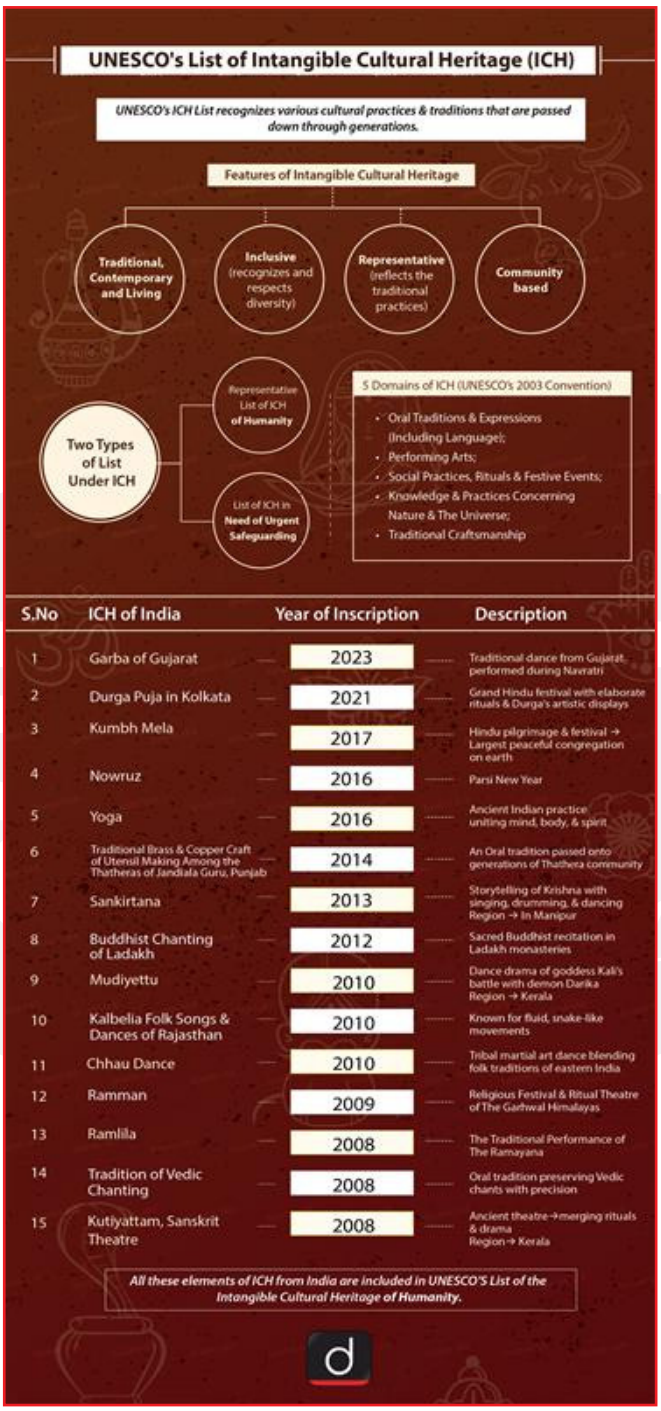

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

NMCG की 59वीं कार्यकारी समिति की बैठक

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)** की **59वीं कार्यकारी समिति (EC) की बैठक में गंगा नदी** के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिये समर्पित कई महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई।

- इन पहलों का उद्देश्य **नदी की स्वच्छता, सतत् विकास तथा पर्यावरणीय एवं सांस्कृतिक महत्त्व के संरक्षण को बढ़ावा देना है।**

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश में परियोजनाएँ:**
  - **चंदौली परियोजना:**
    - **हाइब्रिड एन्युटी मॉडल** का उपयोग करते हुए 45 मिलियन लीटर **सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP)** का निर्माण।
    - इसमें सहायक बुनियादी ढाँचा शामिल है तथा **15 वर्षों के लिये परिचालन एवं रखरखाव (O&M) सुनिश्चित किया जाता है।**
- **मानिकपुर परियोजना:**
  - 15 मिलियन लीटर **मल-कीचड़ उपचार संयंत्र** और 35 किलोवाट **सौर ऊर्जा संयंत्र** का विकास।
  - **पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन** और 5 वर्षों के लिये प्रभावी संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया।
- **बिहार में नदी संरक्षण:**
  - **बक्सर परियोजना:**
    - **50 मिलियन लीटर क्षमता वाले STP** और सहायक संरचना का निर्माण।
    - **इसमें प्रकृति आधारित 1 मिलियन लीटर क्षमता वाला STP,** तीन इंटरसेप्शन **पंपिंग स्टेशन** और 8.68 किमी. सीवर नेटवर्क शामिल है।
    - 15 वर्षों के लिये सुदृढ़ प्रचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित करना तथा **स्थायी नदी संरक्षण प्रयासों को आगे बढ़ाना।**

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)

- **परिचय:**
  - 12 अगस्त, 2011 को NMCG को **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के अंतर्गत **एक सोसायटी के रूप में सूचीबद्ध किया गया।**
  - **यह राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA)** की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है, जिसका गठन **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (EPA), 1986** के प्रावधानों के तहत किया गया था।
    - **NGRBA** को वर्ष 2016 में निरस्त कर दिया गया और **उसके स्थान पर राष्ट्रीय गंगा पुनरुद्धार, संरक्षण एवं प्रबंधन परिषद का गठन किया गया।**
- **उद्देश्य:**
  - NMCG का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना और गंगा नदी का **पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है।**
    - **नमामि गंगे,** गंगा की सफाई के लिये NMCG के प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसे व्यापक योजना एवं प्रबंधन के लिये अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को बढ़ावा देकर तथा नदी में न्यूनतम पारिस्थितिक प्रवाह को बनाए रखकर प्राप्त किया जा सकता है, जिसका उद्देश्य जल की गुणवत्ता और पर्यावरणीय रूप से **सतत् विकास** सुनिश्चित करना है।

गोमती नदी पुनरुद्धार के लिये टास्क फोर्स

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **प्रादेशिक सेना ने गोमती नदी** के **पुनरुद्धार और संरक्षण** के लिये समर्पित एक **नया टास्क फोर्स स्थापित किया है, जिसे गंगा टास्क फोर्स (GTF)** नाम दिया गया है।

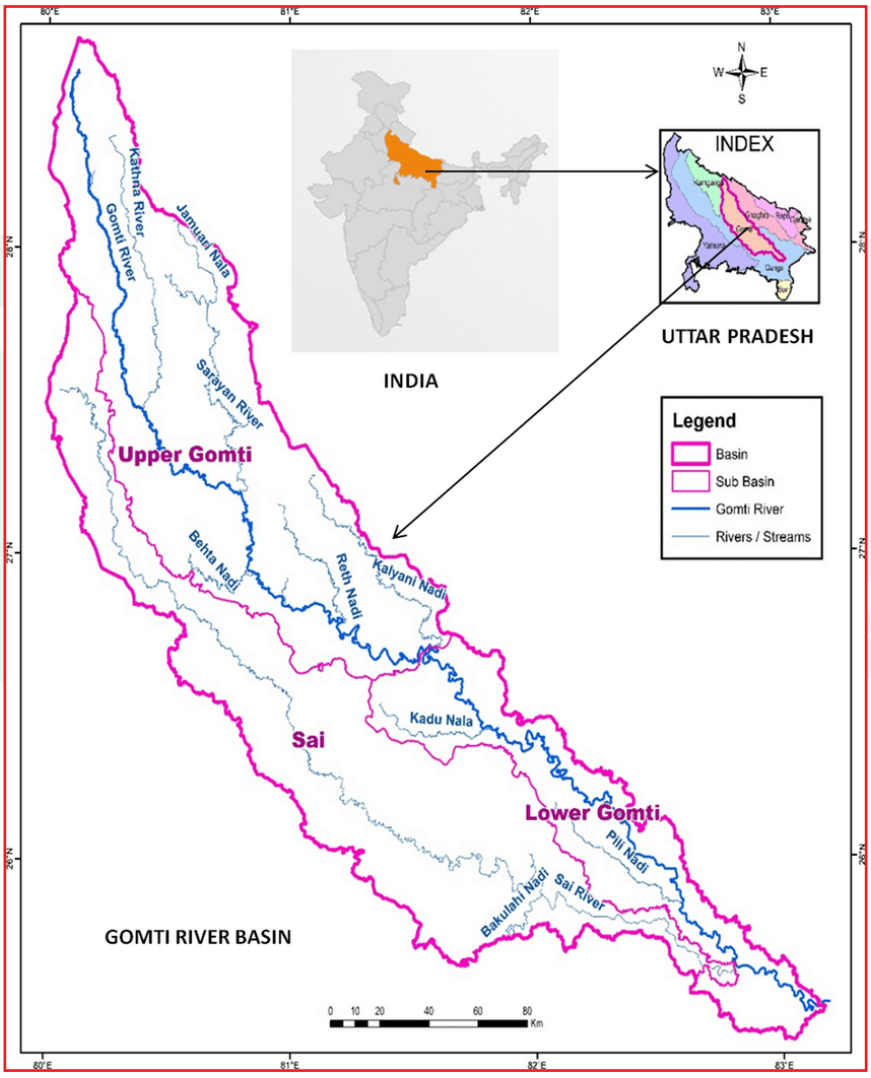

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **GTF: परिचय**
- **उद्देश्य और फोकस:**
  - GTF का उद्देश्य **पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास** को बढ़ावा देना है।
  - प्रमुख ज़िम्मेदारियों में **प्रदूषण** निगरानी, नदी तट और घाट पर गश्त, जन जागरूकता अभियान और नदी तट स्थिरीकरण शामिल हैं।
- **संघटन:**
  - GTF में मुख्य रूप से **पूर्व सैनिक शामिल हैं,** जो राष्ट्रीय मिशनों के लिये अनुभवी कार्मिकों के उपयोग की प्रादेशिक सेना की परंपरा को दर्शाता है।
- **उद्घाटन:**
  - औपचारिक **स्थापना समारोह 1 जनवरी, 2025 को लखनऊ छावनी में** हुआ।
- **राष्ट्रीय मिशन संरेखण:**
  - GTF की स्थापना **जल शक्ति मंत्रालय** की पहल, राष्ट्रीय **स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) के तहत की गई थी।**
  - **इसके निर्माण के आदेश रक्षा मंत्रालय** द्वारा सितंबर 2024 में जारी किये गए थे।
- **महत्त्व:**
  - यह पहल राष्ट्र निर्माण और पर्यावरणीय स्थिरता में **भारतीय सेना** की भूमिका को पुष्ट करती है।
  - GTF का उद्देश्य गोमती नदी के पुनरोद्धार और व्यापक **स्वच्छ गंगा मिशन में महत्त्वपूर्ण योगदान देना है।**

गोमती नदी

- गोमती नदी मध्य उत्तर प्रदेश में **गंगा नदी की एक सहायक नदी है।**
- इसका उद्गम उत्तर प्रदेश **के पीलीभीत के पूर्व में होता है।**
- सई **नदी, एक दाहिनी तटवर्ती सहायक नदी,** जौनपुर के पास गोमती में मिलती है।
- गोमती नदी उत्तर प्रदेश के **सैदपुर के पास गंगा में मिल जाती है।**

उत्तर प्रदेश में उच्च रक्तचाप में खतरनाक वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)-6 के हालिया आँकड़ों से **उत्तर प्रदेश** में चिंताजनक प्रवृत्ति का पता चलता है, जहाँ **हर चार में से एक व्यक्ति उच्च रक्तचाप** के खतरे में है।

यह स्वास्थ्य स्थिति, **जिसे प्राय: "साइलेंट किलर"** कहा जाता है, **स्ट्रोक** और **दिल के दौरे** जैसी गंभीर जटिलताओं को जन्म देने की क्षमता के कारण एक बड़ा खतरा उत्पन्न करती है।

मुख्य बिंदु

- **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS)** ने पाया है कि उपचार चाहने वाले रोगियों में से लगभग **25% उच्च रक्तचाप** का खतरा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **चिंताजनक बात यह है कि इनमें से कई व्यक्ति अपनी स्थिति से अनभिज्ञ हैं, जिससे उनमें मस्तिष्क आघात** और **हृदयाघात** जैसी गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।
- इसके उत्तर में, AIIMS ने उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन में सुविधा प्रदान करने के लिये रोगियों और उनके देखभालकर्त्ताओं पर **व्यापक डेटा संग्रह शुरू किया है।**
- सामान्य **रक्तचाप** में उतार-चढ़ाव और उच्च रक्तचाप के बीच अंतर।
  - जबकि युवा वयस्कों के लिये **सामान्य रक्तचाप रीडिंग आमतौर पर 120/80 mmHg के आसपास होती है,** 140/90 **mmHg या इससे अधिक** की रीडिंग उच्च रक्तचाप का संकेत है।
- नियमित निगरानी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि मामूली वृद्धि भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है।
- इस बढ़ती स्वास्थ्य चिंता से निपटने के लिये AIIMS **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)** और **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के साथ सहयोग कर रहा है।
- इस साझेदारी का उद्देश्य रोगियों और उनके परिवारों पर व्यापक डेटा एकत्र करना है, जिसमें रक्तचाप संबंधी समस्याओं, उच्च रक्तचाप और **मधुमेह** की व्यापकता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - इसका लक्ष्य पैटर्न और जोखिम कारकों की पहचान करना है, ताकि उच्च रक्तचाप को प्रभावी ढंग से रोकने और प्रबंधित करने के लिये लक्षित हस्तक्षेप संभव हो सके।
- **NFHS रिपोर्ट** उत्तर प्रदेश में उच्च रक्तचाप के बढ़ते जोखिम की गंभीरता को उजागर करती है।
  - इसमें इस स्थिति से जुड़े प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिये जागरूकता बढ़ाने, नियमित स्वास्थ्य जाँच और शीघ्र चिकित्सा की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

उच्च रक्तचाप

- **परिचय:**
  - पहली **(सिस्टोलिक) संख्या** हृदय के सिकुड़ने या धड़कने के समय रक्त वाहिकाओं में दबाव को दर्शाती है।
  - दूसरी **(डायस्टोलिक) संख्या,** धड़कनों के बीच हृदय के विश्राम के समय वाहिकाओं में दबाव को दर्शाती है।
  - **उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) तब होता है जब आपकी रक्त वाहिकाओं** में दबाव बहुत अधिक **(140/90 mmHg या उससे अधिक) हो जाता है।** यह सामान्य है लेकिन अगर इसका उपचार न किया जाए तो यह गंभीर हो सकता है।
  - रक्तचाप को दो संख्याओं के रूप में लिखा जाता है:
  - उच्च रक्तचाप के संबंध में जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इस मूक हत्यारे को रोकने और नियंत्रित करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु **हर वर्ष 17 मई** को **विश्व उच्च रक्तचाप दिवस** मनाया जाता है।
- **भारत पर उच्च रक्तचाप का बोझ**
  - केवल भारत में 30-79 वर्ष आयु वर्ग के लगभग **188.3 मिलियन वयस्क** उच्च रक्तचाप से जूझ रहे हैं।
  - भारत में **उच्च रक्तचाप** की व्यापकता **वैश्विक औसत 31% से थोड़ी कम है।**
  - **50% नियंत्रण दर** तक पहुँचने के लिये, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि उच्च रक्तचाप से पीड़ित अतिरिक्त **67 मिलियन लोगों को** प्रभावी उपचार प्राप्त हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यदि प्रगति के लक्ष्यों को प्राप्त किया गया, **तो वर्ष 2040 तक उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली 4.6 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है।**

महाकुंभ 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज में **13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025** तक होने वाला **महाकुंभ मेला**, अपने **पारंपरिक आध्यात्मिक महत्त्व को बढ़ाते हुए, व्यापक स्वास्थ्य, शैक्षिक और पर्यावरणीय पहलों** को समाहित करने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु

- **महाकुंभ 2025 के लिये की गई पहल**
  - **नेत्र कुंभ (नेत्र शिविर):**
    - **नौ एकड़ में विस्तृत 'नेत्र कुंभ' का** उद्घाटन किया गया।
    - 150 से अधिक **अस्पतालों के 500 से** अधिक डॉक्टरों का लक्ष्य **पाँच लाख (500,000) नेत्र रोगियों का उपचार करना है।**
    - शिविर में **तीन लाख (300,000) नि:शुल्क चश्मे वितरित करने** और **50,000 मोतियाबिंद सर्जरी करने की योजना है।**
    - **वर्ष 2019 कुंभ** के दौरान, इस पहल ने **1.5 लाख (150,000) चश्मे** वितरित करके और **तीन लाख (300,000) व्यक्तियों की जाँच करके लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स** में स्थान अर्जित किया।
    - आगे के उपचार की आवश्यकता वाले रोगियों को उनके निवास के निकट के अस्पतालों में सर्जरी के लिये रेफरल कार्ड प्राप्त होंगे।
- **दंत कुंभ (दंत चिकित्सा शिविर):**
  - **विश्व हिंदू परिषद (VHP) द्वारा** पहली बार **दंत कुंभ** का आयोजन किया जाएगा।
  - 10 जनवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले इस शिविर में **पाँच डेंटल चेयर की सुविधा होगी।**
    - प्रत्येक चेयर से प्रतिदिन 500 दंत परीक्षण करने, नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराने तथा श्रद्धालुओं को नि:शुल्क मौखिक देखभाल उत्पाद वितरित करने की अपेक्षा की जाती है।
- **ज्ञान कुंभ:**
  - शिक्षा **संस्कृति उत्थान न्यास एक हज़ार से अधिक प्रमुख शिक्षकों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षा मंत्रियों** और केंद्र तथा राज्य सरकारों के **सचिवों को** एक साथ लाने के लिये **'ज्ञान महाकुंभ'** का आयोजन कर रहा है।
  - यह कार्यक्रम **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020** के कार्यान्वयन पर केंद्रित होगा और इसके सत्र **7 से 9 फरवरी तक आयोजित होंगे।**
  - **चर्चा में निजी शिक्षण संस्थानों की भूमिका, महिला शिक्षा, छात्र सहभागिता, पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ** और **भारतीय भाषाओं के महत्त्व** जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा।
- **ग्रीन कुंभ पहल:**
  - पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के लिये, **शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास** और **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की पर्यावरण गतिविधियों से जुड़े स्वयंसेवकों ने 'एक थैला, एक थाली' पहल** शुरू की है।
    - इस अभियान का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को **1.5 मिलियन स्टील प्लेटें** और **2 मिलियन कपड़े के थैले वितरित करना,** डिस्पोजेबल वस्तुओं के उपयोग को कम करना और सतत् प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक मेला क्षेत्र में खाद्य सेवाएँ संचालित करने वाले संगठनों को 150,000 से अधिक स्टील की प्लेटें वितरित की जा चुकी हैं।
- इसके अतिरिक्त, **ज्ञान महाकुंभ** में 31 जनवरी को **'हरित महाकुंभ' (हरित कुंभ)** कार्यक्रम निर्धारित है।

- **विद्या कुंभ:**
  - **श्रमिक परिवारों** के बच्चों को अपने परिवारों के साथ **विद्या कुंभ में भाग लेने का अवसर मिलेगा,** जिससे उन्हें **महाकुंभ के सांस्कृतिक और शैक्षिक** पहलुओं का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।
  - बच्चों को पढ़ाई में प्रगति करने में सहायता करने के लिये उन्हें **नि:शुल्क पुस्तकें, पेन** और अन्य **शैक्षिक सामग्री वितरित की जाएगी।**
  - श्रमिक परिवारों के अभिभावकों के लिये **जागरूकता सत्र आयोजित किये जाएँगे ताकि उन्हें शिक्षा के महत्त्व को समझने में सहायता मिल सके और उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया जा सके।**
- **वंचित बच्चों तक पहुँच:**
  - **RSS** से जुड़े संगठन **विद्या भारती** के स्वयंसेवक **झुग्गी-झोपड़ियों** में रहने वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिये **महाकुंभ** की यात्रा की सुविधा प्रदान करने की योजना बना रहे हैं, ताकि **सांस्कृतिक** और **आध्यात्मिक उत्सवों में समावेशिता और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।**
  - ये बहुआयामी पहल महाकुंभ मेला वर्ष 2025 के प्रति समग्र दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जो आध्यात्मिकता को **स्वास्थ्य, शिक्षा** और **पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ती हैं,** जिससे लाखों प्रतिभागियों के लिये अनुभव समृद्ध होता है।

महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।**
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
- **यह नासिक** में **गोदावरी नदी**, **उज्जैन** में **शिप्रा नदी, हरिद्वार** में गंगा और प्रयागराज में **गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। संगम को **'संगम'** कहा जाता है।

उत्तर प्रदेश में जातिगत अत्याचार की शिकायत

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC)** ने **उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड** के एक सदस्य के विरुद्ध दर्ज अत्याचार की शिकायत को स्वीकार कर लिया है।

- **दक्षिणी राज्यों के कार्यकर्त्ताओं से प्रेरित होकर, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये क्षैतिज आरक्षण** का आंदोलन उत्तर भारत में जोर पकड़ रहा है।

मुख्य बिंदु

- **क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर आरक्षण:**
  - **ऊर्ध्वाधर आरक्षण** एक **विशेष कोटा श्रेणी** स्थापित करता है, **जिसमें सभी ट्रांसजेंडर व्यक्ति शामिल होते हैं,** भले ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कोई भी हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **क्षैतिज आरक्षण प्रत्येक सामाजिक-आर्थिक श्रेणी में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये सीटों** का एक प्रतिशत आवंटित करता है, जो हाशिये पर रहने वाली जाति के ट्रांस लोगों द्वारा सामना किये जाने वाले स्तरित भेदभाव को संबोधित करता है।
- देश भर में ट्रांस कार्यकर्त्ता **क्षैतिज आरक्षण की रक्षा करते हैं तथा** ट्रांसजेंडर समुदाय के भीतर जाति-आधारित भेदभाव को दूर करने में ऊर्ध्वाधर कोटा की विफलता पर प्रकाश डालते हैं।

- **शिकायत पर NCSC की कार्रवाई:**
  - **NCSC ने एक दलित ट्रांस महिला कार्यकर्त्ता की शिकायत** के आधार पर सहारनपुर ज़िला प्रशासन और पुलिस को नोटिस जारी किया।
  - उन्होंने आरोप लगाया कि **उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के एक सदस्य ने क्षैतिज आरक्षण का समर्थन करने वाले कार्यकर्त्ताओं को परेशान किया।**
    - उन्होंने एक रिकॉर्डिंग प्रस्तुत की, जिसमें **सदस्य ने कथित तौर पर जातिवादी और ट्रांसफोबिक गालियों का उपयोग किया,** जिसमें जानबूझकर गलत लिंग निर्धारण भी शामिल था।
  - **सदस्य ने आरोपों से इनकार करते हुए** दावा किया कि रिकॉर्डिंग में आवाज़ उनकी नहीं है तथा उन्होंने कॉल रिकॉर्डिंग की वैधता पर प्रश्न उठाया।
    - उन्होंने शिकायतकर्त्ता पर **संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया तथा** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) और NCSC में शिकायत दर्ज कराने की योजना बनाई।
- **आरक्षण नीति पर बहस:**
  - वर्ष 2014 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये "सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग (SEBC)" के रूप में आरक्षण का निर्देश दिया, जिससे अलग-अलग व्याख्याएँ हुईं।
    - मध्य प्रदेश में, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को अप्रैल 2023 में राज्य OBC सूची में जोड़ा गया।
    - कर्नाटक, मद्रास और कलकत्ता सहित कई **उच्च न्यायालयों ने क्षैतिज आरक्षण के पक्ष में निर्णय दिया है।**
- **आरक्षण पर अलग-अलग राय:**
  - **एक दृष्टिकोण ऊर्ध्वाधर आरक्षण का समर्थन करता है,** जिसमें कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विरुद्ध भेदभाव जाति से नहीं, बल्कि लिंग से उत्पन्न होता है।
    - यह वर्ष 2014 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का संदर्भ देते हुए **इस धारणा को चुनौती देता है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति धर्म परिवर्तन के पश्चात भी अपनी जातिगत पहचान को बनाए रखते हैं।**
  - विरोधी दृष्टिकोण इस व्याख्या की आलोचना करते हुए इसे ट्रांसजेंडर समुदाय के भीतर जातिगत विविधता की अनदेखी करने वाला मानता है तथा इस बात पर बल देता है कि क्षैतिज आरक्षण **हाशिये पर रह रही जाति के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा सामना किये जाने वाले स्तरित भेदभाव को संबोधित करता है।**
- **व्यापक निहितार्थ:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने **मार्च 2023 में 2014 के निर्णय में अस्पष्टता को स्पष्ट करने से इनकार कर दिया।**
  - यह बहस विभिन्न सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिये सूक्ष्म नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC)

- **परिचय:**
  - NCSC एक **संवैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना अनुसूचित जातियों के शोषण के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करने** तथा उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है।
- **संघटन:**
  - NCSC में **एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अतिरिक्त सदस्य होते हैं।**
  - ये पद **राष्ट्रपति की नियुक्ति के माध्यम से भरे जाते हैं,** जिसका उल्लेख उनके हस्ताक्षर और मुहर सहित वारंट द्वारा किया जाता है।
  - उनकी सेवा की शर्तें और कार्यकाल भी राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किया जाता है।

संभल मस्जिद मामला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल में शाही जामा मस्जिद समिति द्वारा** एक ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में **केंद्र और राज्य सरकारों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)** और स्थानीय अधिकारियों से जवाब मांगा।

मुख्य बिंदु

- **सर्वोच्च न्यायालय का स्थगन:**
- निचले न्यायालय ने एक अधिवक्ता आयुक्त को **शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था,** जबकि एक मुकदमे में दावा किया गया था कि मस्जिद का निर्माण एक मंदिर को नष्ट करके किया गया था।
- नवंबर 2024 में **सर्वोच्च न्यायालय** ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी और निर्देश दिया कि जब तक **इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सर्वेक्षण आदेश के विरुद्ध याचिका पर विचार नहीं हो जाता,** तब **तक मामले की सुनवाई नहीं की जानी चाहिये।**
- सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि **किसी भी पूजा स्थल के सर्वेक्षण की मांग करने वाले किसी भी नए मुकदमे पर अगले आदेश तक विचार नहीं किया जाना चाहिये।**
- **सर्वेक्षण और टकराव:**
- वर्ष 2024 में, स्थानीय न्यायालय ने **मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया,** एक याचिका के बाद जिसमें दावा किया गया था कि **मस्जिद का निर्माण 1526 में** भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि को समर्पित एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद किया गया था।
- इस मुकदमे में आठ वादियों ने मस्जिद तक पहुंच के अधिकार की मांग की थी।
- सर्वेक्षण के विरुद्ध **पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के बाद 24 नवंबर, 2024 को संभल में हिंसा भड़क उठी, जिसके परिणामस्वरूप पाँच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।**

जामा मस्जिद का ऐतिहासिक संदर्भ

- संभल की जामा मस्जिद **बाबर के शासनकाल (1526-1530) के दौरान बनाई गई तीन मस्जिदों में से एक है।** अन्य मस्जिदों में पानीपत की मस्जिद और अब ध्वस्त हो चुकी बाबरी मस्जिद शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **इतिहासकार हॉवर्ड क्रेन ने अपनी कृति, द पैट्रोनेज ऑफ बाबर एंड द ऑरिजिंस ऑफ मुगल आर्किटेक्चर** में मस्जिद की स्थापत्य कला की विशेषताओं का वर्णन किया है।
- क्रेन ने एक फ़ारसी शिलालेख का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि बाबर ने अपने सूबेदार **जहाँगीर कुली खान के माध्यम से दिसंबर 1526 में मस्जिद के निर्माण का आदेश दिया था।**

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- **संस्कृति मंत्रालय** के अंतर्गत ASI, देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
  - **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष (AMASR) अधिनियम, 1958** ASI के कामकाज को नियंत्रित करता है।
- यह राष्ट्रीय महत्त्व के 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी **स्थापना 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी।** अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है।

हरित महाकुंभ

चर्चा में क्यों ?

31 जनवरी, 2025 को प्रयागराज में **हरित महाकुंभ** का **आयोजन किया जाएगा,** जिसमें देश भर से 1,000 से अधिक **पर्यावरण और जल संरक्षण कार्यकर्त्ता एकजुट होंगे।**

- **शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने ज्ञान महाकुंभ** के हिस्से के रूप में इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन किया है, जिसमें **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री इसके मुख्य संरक्षक हैं।**

मुख्य बिंदु

- **पर्यावरण के संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा:**
  - चर्चा में **प्रकृति, पर्यावरण, जल और स्वच्छता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।**
  - **विशेषज्ञ प्रकृति के पाँच तत्त्वों के बीच संतुलन बनाने और इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने के संदर्भ** में जानकारी साझा करेंगे।
  - इस कार्यक्रम में महाकुंभ में आने वाले लोगों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के बारे में **जागरूकता बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया जाएगा।**
  - **स्वच्छ महाकुंभ पहल** की सफलता सुनिश्चित करने के लिये सरकारी एजेंसियाँ, जन प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मिलकर काम कर रहे हैं।
- **स्वच्छता रथ यात्रा:**
  - **स्वच्छता को बढ़ावा देने और जन जागरूकता बढ़ाने** के लिये प्रयागराज में **स्वच्छता रथ यात्रा** भी शुरू की गई, जिसमें महत्त्वपूर्ण सामुदायिक भागीदारी हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य:**
- इसका उद्देश्य प्रयागराज को महाकुंभ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिये **स्वच्छता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना है।**
- महाकुंभ नगर मार्ग पर प्राचीन वातावरण बनाए रखते हुए, यह पहल लाखों संभावित आगंतुकों के लिये **स्वागत योग्य वातावरण सुनिश्चित करती है।**

- **प्रदर्शनों के माध्यम से जागरूकता अभियान:**
- नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने रंग-कोडित कूड़ेदान लेकर **गीले और सूखे अपशिष्ट को उचित तरीके से अलग करने का प्रदर्शन किया।**
- रथ के साथ-साथ **स्वच्छता-थीम वाले संगीत बैण्ड ने प्रस्तुति दी, जिससे स्वच्छ शहर बनाए रखने का संदेश दिया गया।**
- **सफाई मित्रों और नगर निगम कर्मचारियों ने** स्वच्छता उपायों को बढ़ावा देने और लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
- **यह नासिक में गोदावरी नदी, उज्जैन में शिप्रा नदी, हरिद्वार में गंगा** और प्रयागराज में **गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। इस संयोजन को **'संगम'** कहा जाता है।

महाकुंभ में महाप्रसाद सेवा

चर्चा में क्यों ?

अडानी समूह और **इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (ISKCON) ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025** में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराने के लिये साझेदारी की है।

मुख्य बिंदु

- **अवधि और पेशकश:**
- **महाप्रसाद सेवा** पूरे महाकुंभ मेले के दौरान **13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलेगी।**
- इस आयोजन के दौरान **50 लाख श्रद्धालुओं को भोजन परोसा जाएगा।**

- **सहयोग और स्वीकृति:**
- **अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने** इस पहल में इस्कॉन के समर्थन के लिये आभार व्यक्त करने हेतु **इस्कॉन गवर्निंग बॉडी कमीशन (GBC) के अध्यक्ष गुरु प्रसाद स्वामी** से मुलाकात की।

- **भोजन की तैयारी और वितरण:**
- भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर स्थित **दो रसोईघरों में तैयार किया जाएगा।**
- **महाप्रसाद का वितरण** महाकुंभ क्षेत्र में **40 निर्धारित स्थानों** पर किया जाएगा।
- लगभग 2,500 स्वयंसेवक भोजन वितरण में **सक्रिय रूप से भाग लेंगे।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अतिरिक्त पहल:**
  - **दिव्यांग व्यक्तियों, बुज़ुर्ग श्रद्धालुओं और छोटे बच्चों वाली माताओं की** सहायता के लिये **गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गई है।**
  - आध्यात्मिक प्रसाद के भाग के रूप में **उपस्थित लोगों के बीच गीता सार** की पाँच लाख प्रतियाँ वितरित की जाएँगी।

अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (ISKCON)

- **1966 में स्थापित** इस्कॉन को आमतौर पर **"हरे कृष्ण आंदोलन" के रूप में जाना जाता है।**
- इस्कॉन ने **श्रीमद्भगवद्गीता और अन्य वैदिक साहित्य का 89 भाषाओं में अनुवाद किया है,** जो विश्वभर में **वैदिक साहित्य के प्रसार** में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- इस्कॉन आंदोलन के सदस्य **भक्तिवेदांत स्वामी को कृष्ण चैतन्य** के प्रतिनिधि और दूत के रूप में देखते हैं।

UP में 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' नियम लागू

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने राज्य के सभी नगरों में दोपहिया वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर को घटाने के उद्देश्य से कठोर **"नो हेलमेट, नो फ्यूल" नीति** लागू करने का सुझाव प्रस्तुत किया है।

- मुख्यमंत्री ने माना कि **राज्य में प्रतिवर्ष लगभग 25,000 से 26,000 लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जाती है।**

मुख्य बिंदु

- **नोएडा में 26 जनवरी, 2025 से 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' नीति** लागू की जाएगी।
  - इस कदम का उद्देश्य **दोपहिया वाहन चालकों के बीच हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देना** तथा क्षेत्र में **सड़क सुरक्षा** को बढ़ाना है।
- राज्य भर के ईंधन स्टेशनों को **"नो हेलमेट, नो फ्यूल"** के संकेत लगाने का निर्देश दिया गया है।
  - यह पहल इससे पहले **वर्ष 2019** में **गौतम बुद्ध नगर ज़िले** में शुरू की गई थी, लेकिन इसे केवल छिटपुट रूप से ही लागू किया गया था।
- परिवहन आयुक्त ने एक आधिकारिक-पत्र जारी कर ईंधन स्टेशन संचालकों को निर्देश दिया है कि वे उन **दोपहिया वाहन चालकों को ईंधन न बेचें,** जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना है, जिसमें पीछे बैठने वाला व्यक्ति भी शामिल है।
- उत्तर **प्रदेश परिवहन विभाग** भी नीति के बारे में व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिये काम कर रहा है।
  - **ईंधन स्टेशन संचालकों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988** और **उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियम, 1998** के प्रासंगिक प्रावधानों के संबंध में शिक्षित किया जाना चाहिये।
- कुछ व्यक्तियों का मानना है कि इस पहल को हेलमेट के उपयोग को अनिवार्य बनाने और जीवन की रक्षा के लिये एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में समर्थन किया जाना चाहिये, जबकि अन्य का तर्क है कि सरकार को नए कानूनों को लागू करने के बजाय **सड़क की गुणवत्ता** और **समग्र सुरक्षा उपायों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।**

मोटर वाहन अधिनियम, 1988

- **मोटर वाहन अधिनियम, 1939** के स्थान पर यह अधिनियम **1 जुलाई, 1989** को लागू हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अधिनियम में ड्राइवरों/कंडक्टरों के लाइसेंस, मोटर वाहनों के पंजीकरण, परमिट के माध्यम से मोटर वाहनों के नियंत्रण, राज्य परिवहन उपक्रमों से संबंधित विशेष प्रावधान, यातायात विनियमन, बीमा, दायित्व, अपराध और दंड आदि के **संबंध में विधायी प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख** किया गया है।

महाकुंभ मेला 2025: विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन

चर्चा में क्यों ?

पृथ्वी पर सबसे बड़े मानव समागम के रूप में मनाया जाने वाला **महाकुंभ मेला 2025, पौष पूर्णिमा** के अवसर पर शुभ '**शाही स्नान**' के साथ शुरू हुआ।

- प्रत्येक **144 वर्ष** बाद एक **दुर्लभ खगोलीय संयोग के दौरान आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में त्रिवेणी संगम** पर **गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती** के पवित्र संगम पर **1.5 करोड़ (15 मिलियन)** से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- **45 दिवसीय आध्यात्मिक उत्सव,** जो 26 **फरवरी को समाप्त होगा,** में कई महत्त्वपूर्ण स्नान अनुष्ठान शामिल होंगे, जिनमें शामिल हैं:
  - **मकर संक्रांति:** 14 जनवरी
  - **मौनी अमावस्या:** 29 जनवरी
  - **बसंत पंचमी:** 3 फरवरी
- इन आयोजनों का अत्यधिक धार्मिक महत्त्व है, तथा ये भारत और विश्व भर से भक्तों, संतों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करते हैं।
- **नमामि गंगे यज्ञ:**
  - त्योहार की पूर्व संध्या पर, नमामि गंगे टीम ने **गंगा नदी** की पवित्रता और प्रवाह को बनाए रखने के लिये निरंतर प्रयास करने की शपथ लेने के लिये संगम पर एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया।
  - इस कार्यक्रम में **200 से अधिक गंगा सेवादूतों** और हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसमें **गंगा स्वच्छता अभियान में युवाओं के योगदान को विशेष रूप से मान्यता दी गई।**
- **सुरक्षा एवं संरक्षा उपाय:**
  - लाखों तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये **उत्तर प्रदेश पुलिस** और **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF)** की टीमों को महाकुंभ क्षेत्र में तैनात किया गया है।
  - संगम पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिये विशेष जल पुलिस इकाइयां तैनात की जाती हैं।
- **महाकुंभ मेला 2025:**
  - महाकुंभ मेला 2025, एक पवित्र तीर्थस्थल, प्रयागराज में **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा।**
    - यह **प्रति 12 वर्ष में** चार स्थानों अर्थात **प्रयागराज (UP), हरिद्वार (UK), नासिक (महाराष्ट्र)** और **उज्जैन (MP) के बीच घूमता हुआ आयोजित होता है।**
  - **कुंभ** शब्द का तात्पर्य एक बर्तन या पात्र से है, जिसके संबंध में **हिंदू पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि उसमें अमरता का अमृत** भरा हुआ था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उत्तर प्रदेश ने **प्रयागराज** में **महाकुंभ क्षेत्र को 4 महीने** अर्थात् **1 दिसंबर, 2024** से **31 मार्च, 2025 तक** के लिये **महाकुंभ मेला** नामक एक नए ज़िले के रूप में घोषित किया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF)

- **NDRF का परिचय:** NDRF भारत में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के लिये विशेष प्रतिक्रिया के उद्देश्य से गठित एक विशेष बल है।
- **गठन और उद्देश्य:** NDRF का गठन वर्ष 2006 में **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** के तहत किया गया था। इसका प्राथमिक उद्देश्य प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं का त्वरित और प्रभावी ढंग से उत्तर देना है।
- **संरचना:** NDRF में सीमा सुरक्षा बल (BSF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) और सशस्त्र सीमा बल (SSB) सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) की बटालियनें शामिल हैं।
  - **प्रत्येक बटालियन को आपदा प्रतिक्रिया के लिये विशेष प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किये गये हैं।**

उत्तर प्रदेश घाटे में चल रही डिस्कॉम के निजीकरण की संभावना तलाश रहा है

चर्चा में क्यों ?

उत्तर **प्रदेश सरकार ने घाटे में चल रही** अपनी दो **विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का निजीकरण** करने या **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP)** बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं।

- इस कदम से **नौकरी की सुरक्षा** और सेवा वितरण पर संभावित प्रभाव को लेकर चिंतित कर्मचारियों में **विरोध भड़क गया है।**

मुख्य बिंदु

- राज्य **के विद्युत निगम ने हाल ही में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल)** और **पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (PVVNL)** के लिये **निजीकरण** या **PPP मॉडल** तैयार करने के लिये सलाहकारों और लेनदेन सलाहकारों को आमंत्रित करते हुए एक निविदा जारी की।
- दोनों डिस्कॉम **भारी वित्तीय घाटे से जूझ रहे हैं,** जिससे सरकार को दक्षता और सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिये विकल्प तलाशने पर मजबूर होना पड़ रहा है।
- **सरकार ने स्पष्ट किया है कि शेयरधारिता संरचना** सहित साझेदारी की विशिष्टताएँ परामर्शदाताओं की अनुशंसाओं के आधार पर निर्धारित की जाएँगी।
- ये विशेषज्ञ डिस्कॉम की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेंगे और निजीकरण या PPP के लिये उपयुक्त मॉडल का प्रस्ताव देंगे।
- इस मॉडल से यह अपेक्षा की जाती है कि निजी संस्थाओं को परिचालन विशेषज्ञता और निवेश लाने की अनुमति मिलेगी, साथ ही सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये कुछ स्तर पर सरकारी निगरानी भी बनी रहेगी।

डिस्कॉम क्या है ?

- **परिचय:**
  - विद्युत क्षेत्र में **डिस्कॉम (DISCOM) का अर्थ** वितरण **कंपनी है। यह घरों, व्यवसायों** और **उद्योगों** सहित **उपभोक्ताओं को विद्युत वितरण के लिये ज़िम्मेदार संस्थाओं को संदर्भित करता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **डिस्कॉम की भूमिका:**
  - **विद्युत वितरण:** वे अपने निर्दिष्ट क्षेत्रों में उपभोक्ताओं तक **विद्युत पहुँचाने** के लिये बुनियादी ढाँचे और परिचालन का प्रबंधन करते हैं।
  - **बिलिंग और राजस्व संग्रहण:** डिस्कॉम्स **मीटरिंग, बिलिंग** और विद्युत खपत के लिये **भुगतान एकत्र करने का काम संभालते हैं।**
  - **रखरखाव और उन्नयन:** वे **ट्रांसफार्मर, सबस्टेशन** और **विद्युत लाइनों** सहित **वितरण नेटवर्क के रखरखाव के लिये ज़िम्मेदार होते हैं।**
  - **ग्राहक सेवा:** डिस्कॉम्स **बिजली (विद्युत) कटौती, मीटर स्थापना** और विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों जैसे मुद्दों का समाधान करती हैं।

मकर संक्रांति और अमृत स्नान (शाही स्नान)

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज में चल रहे **महाकुंभ मेला 2025** में पहला **अमृत स्नान या शाही स्नान 14** जनवरी को हुआ, जो **मकर संक्रांति** के शुभ अवसर पर मनाया गया।

- इस अनुष्ठानिक स्नान ने **गंगा, यमुना** और पौराणिक **सरस्वती नदियों** के संगम में पवित्र डुबकी की श्रृंखला की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **मकर संक्रांति का महत्त्व:**
  - 14 जनवरी को मनाया जाने वाला यह त्योहार **सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। संक्रांति** के नाम से जाना जाने वाला यह संक्रमण विशेष रूप से खास है क्योंकि यह **सूर्य की उत्तर दिशा की यात्रा का संकेत देता है, जिसे उत्तरायण** के नाम से जाना जाता है।
    - यह परिवर्तन ठंडी सर्दियों के महीनों के समापन और उष्ण, विस्तारित दिनों की शुरुआत का संकेत करता है।
  - हिंदू पौराणिक कथाओं में, **उत्तरायण को देवताओं का दिन** माना जाता है, जो उत्सव और आध्यात्मिक प्रयासों के लिये एक शुभ अवधि का प्रतीक है।
    - **महाभारत** के **भीष्म पितामह ने** आध्यात्मिक मुक्ति पाने के लिये उत्तरायण के दौरान प्राण त्यागने का चयन किया था।
  - यह त्योहार इसलिये भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह **खरमास को समाप्त करता है, जो एक महीने की अवधि है जिसमें शुभ कार्यों से बचने की परंपरा होती है।**
  - सूर्य का मकर राशि में आगमन, जिसे शनि (जिसे सूर्य का पुत्र माना जाता है) द्वारा नियंत्रित किया जाता है, पारिवारिक एकता के रूप में मनाया जाता है, जो हिंदू परंपराओं में एक महत्त्वपूर्ण विषय है।
- इस दिन से संबंधी उत्सव को देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है:
  - उत्तर भारतीय हिंदुओं और सिखों द्वारा **लोहड़ी**
  - मध्य भारत में **सुकरात**
  - असमिया हिंदुओं द्वारा **भोगाली बिहू** और
  - तमिल हिंदू और अन्य दक्षिण भारतीय हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला **पोंगल।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अनुष्ठानिक स्नान के लिये अन्य महत्त्वपूर्ण तिथियाँ इस प्रकार हैं:**
  - **मौनी अमावस्या (29 जनवरी):** मौन और आत्मनिरीक्षण का दिन, आध्यात्मिक शुद्धि के लिये अत्यधिक शुभ माना जाता है।
  - **वसंत पंचमी (3 फरवरी):** वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में यह त्योहार शिक्षा और ज्ञान के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।
  - **महाशिवरात्रि (26 फरवरी):** कुंभ मेले का समापन दिवस, भगवान शिव को समर्पित, दिव्य ऊर्जा के मिलन का प्रतीक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

AMU को गृहकर बकाया के लिये अल्टीमेटम प्राप्त हुआ

चर्चा में क्यों ?

अलीगढ़ नगर निगम (AMC) ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर **24.4 करोड़ रुपए के** बकाया **गृहकर का** भुगतान करने की मांग की है।

मुख्य बिंदु

- AMC ने भुगतान में विलंब होने पर **उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 के** तहत कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।
- AMC के अनुसार, **बकाया राशि** विश्वविद्यालय के स्वामित्व वाली **40 संपत्तियों** से संबंधित है।
  - 22 संपत्तियों के लिये कर का भुगतान पहले ही किया जा चुका था, जबकि 18 संपत्तियों के लिये **24.4 करोड़ रुपए** का कर भुगतान **लंबित** था।
- AMC के राजस्व मूल्यांकन अधिकारी के अनुसार, बकाया राशि 2017 से लंबित है।
- AMU ने समय पर भुगतान करने के लिये UGC से अनुदान के लिये आवेदन किया था।
  - एक **प्रावधान है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) को ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति करने** की अनुमति प्रदान करता है और विश्वविद्यालय इस संबंध में आयोग के साथ संपर्क में है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)

- **यह 28 दिसंबर, 1953** को अस्तित्व में आया और **विश्वविद्यालय शिक्षा** में **शिक्षण, परीक्षा** और **अनुसंधान के मानकों** के **समन्वय, निर्धारण और रखरखाव** के लिये **1956** में संसद के एक अधिनियम द्वारा एक **वैधानिक निकाय बन गया।**
  - **यह फर्जी विश्वविद्यालयों, स्वायत्त कॉलेजों, मानद विश्वविद्यालयों** और **दूरस्थ शिक्षा संस्थानों** की मान्यता को भी नियंत्रित करता है।
- UGC का मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।

मियावाकी पद्धति

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज नगर निगम ने शुद्ध वायु उपलब्ध कराने और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिये प्रयागराज में कई स्थानों पर **घने वन** विकसित किये हैं।

- **जापानी मियावाकी पद्धति** का उपयोग करते हुए, निगम ने **कई ऑक्सीजन बैंक स्थापित किये** जो अब हरे-भरे वनों में बदल गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **परियोजना के लाभ:**
  - यह पहल **औद्योगिक अपशिष्ट** के प्रबंधन में सहायता करती है तथा धूल, गंदगी और दुर्गंध को कम करती है।
  - इससे शहर की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा **पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।**
  - मियावाकी वन **वायु और जल प्रदूषण को कम** करने, **मृदा अपरदन** को रोकने और जैव विविधता को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - ये वन गर्मियों के दौरान दिन और रात के तापमान के अंतर को कम करते हैं।
  - वे जैव विविधता को बढ़ाते हैं, मृदा की उर्वरता में सुधार करते हैं और जानवरों और पक्षियों के लिये आवास बनाते हैं।
  - इस पद्धति के माध्यम से विकसित बड़े वन **तापमान को 4 से 7 डिग्री सेल्सियस तक कम कर देते हैं।**
- **मियावाकी जंगलों में प्रजातियों की विविधता:**
  - **फल देने वाले वृक्ष:** **आम**, महुआ, **नीम**, पीपल, **इमली**, आंवला और बेर।
  - **औषधीय और सजावटी पौधे:** तुलसी, ब्राह्मी, **हिबिस्कस**, कदम्ब, बोगनवेलिया और जंगल जलेबी।
  - **अन्य प्रजातियाँ:** अर्जुन, सागौन, **शीशम**, बाँस, कनेर (लाल और पीला), टेकोमा, कचनार, **महोगनी**, नींबू और सहजन (Drumstick)।

मियावाकी पद्धति

- **परिचय:**
  - **1970 के दशक में जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी** द्वारा विकसित इस पद्धति से **सीमित स्थानों में घने जंगल तैयार किये जाते हैं।**
  - इसे **'पॉट प्लांटेशन मेथड'** के नाम से जाना जाता है, इसमें तेज़ी से विकास के लिये देशी प्रजातियों को एक दूसरे के निकट लगाया जाता है।
- **मुख्य विशेषताएँ एवं लाभ:**
  - पौधे घने वृक्षारोपण वाले प्राकृतिक वनों की संरचना की अनुकरण करते हुए **10 गुना अधिक तेज़ी से विकसित** होते हैं।
  - मृदा की गुणवत्ता, जैव विविधता और कार्बन अवशोषण में सुधार होता है।
  - शहरी क्षेत्रों में **प्रदूषित और बंजर भूमि को हरित पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिये प्रभावी।**

महाकुंभ मेले में लगी आग

चर्चा में क्यों ?

19 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में **महाकुंभ मेले** में **द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG)** सिलेंडर में विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई, जिससे 18 टेंट नष्ट हो गए।

- **13 जनवरी, 2025 को पौष पूर्णिमा से** शुरू होने वाला 45 दिवसीय **महाकुंभ मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों** में से एक है।

मुख्य बिंदु

- आग को शीघ्रता से **नियंत्रित कर लिया गया** और **किसी भी व्यक्ति के हताहत या घायल** होने की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई।
  - यह घटना मेले के **ज़ोन 19** में **शास्त्री ब्रिज** के निकट हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG):**
  - **LPG हाइड्रोकार्बन गैसों,** मुख्य रूप से **प्रोपेन** और **ब्यूटेन का एक ज्वलनशील मिश्रण है,** जिसका उपयोग **हीटिंग, खाना पकाने** और यहाँ तक कि वाहनों में ईंधन के रूप में किया जाता है।
  - इसे **तरल रूप में** टैंकों या सिलेंडरों में दबाव के तहत संग्रहित किया जाता है।
  - जब दबाव छोड़ा जाता है, **तो LPG वाष्पीकृत हो जाती है** और इसका उपयोग गैस के रूप में किया जा सकता है।
  - **इसके स्वच्छ दहन गुणों** और **उच्च ऊर्जा सामग्री** के कारण इसका उपयोग घरों और उद्योगों में व्यापक रूप से किया जाता है।

महाकुंभ 2025 में AI का प्रयोग

चर्चा में क्यों ?

महाकुंभ मेले में **श्रद्धालुओं की भीड़ को प्रबंधित करने** तथा **अचानक भीड़ बढ़ने का पूर्वानुमान लगाने** के लिये अधिकारी **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** से लैस CCTV कैमरों का उपयोग कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **भीड़ के आँकड़े:**
  - प्रतिदिन लगभग **50 से 60 लाख लोग मेले में आते हैं।**
  - अनुष्ठानिक स्नान के दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है:
    - **पौष पूर्णिमा:** 1.6 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी।
    - **मकर संक्रांति (14 जनवरी):** 3.5 करोड़ लोगों ने भाग लिया।
    - **मौनी अमावस्या (29 जनवरी):** अनुमानत: 6 से 7 करोड़ लोगों के आने की संभावना है।
- **निगरानी और मॉनीटरिंग सेटअप:**
  - प्राधिकारियों ने महोत्सव के लिये **पूरे प्रयागराज में लगभग 2,700 CCTV कैमरे** लगाए हैं, जिनमें से **1,800 कैमरे मेला क्षेत्र में लगाए गए हैं।**
  - मेला क्षेत्र में चार **एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्रों (ICCC)** के माध्यम से निगरानी की जाती है।
- **भीड़ प्रबंधन में AI की भूमिका:**
  - 1,800 CCTV कैमरों में से लगभग 160 AI तकनीक से लैस हैं।
  - AI विशिष्ट समय पर विशिष्ट क्षेत्रों में लोगों की संख्या का अनुमान लगाने के लिये **प्रति वर्ग मीटर भीड़ घनत्व की गणना करता है।**
  - **अधिकारी प्रमुख स्नान के दिनों में अपेक्षित तीर्थयात्रियों की संख्या का अनुमान लगाने के लिये AI डेटा का उपयोग करते हैं** तथा **भीड़भाड़ को रोकने के लिये भीड़ को दूसरी दिशा में मोड़ते हैं।**
- **आपातकालीन प्रतिक्रिया में AI:**
  - **AI आपातकालीन स्थितियों में निकासी की सुविधा प्रदान करता है,** जैसे कि हाल ही में हुई आग की घटना जिसमें 40 झोपड़ियाँ और 60 टेंट नष्ट हो गए थे।
  - यह पहली बार है जब वैश्विक स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर **भीड़ प्रबंधन** के लिये AI का उपयोग किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **चुनौतियाँ और सीमाएँ:**
  - **कम नेटवर्क कनेक्टिविटी और तकनीकी समस्याओं के कारण** AI मॉडल कभी-कभी खामियों का सामना करते हैं।
  - सभी CCTV कैमरों को **AI से लैस करना लागत-प्रतिबंधात्मक बना हुआ है।**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

- **परिचय:**
  - **AI एक कंप्यूटर या कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित** रोबोट की वह क्षमता है जो ऐसे कार्य कर सके जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किये जाते हैं क्योंकि उनके लिये मानवीय बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती है।
    - यद्यपि ऐसा **कोई AI नहीं है जो सामान्य मनुष्य द्वारा किये जा सकने वाले विविध प्रकार के कार्य कर सके,** फिर भी कुछ AI विशिष्ट कार्यों में मनुष्यों की बराबरी कर सकते हैं।
- **विशेषताएँ एवं घटक:**
  - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी **तर्कसंगतता और ऐसे कार्य करने की क्षमता है,** जिनसे किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे अच्छी संभावना होती है। AI का एक उपसमूह **मशीन लर्निंग (ML)** है।
  - डीप लर्निंग (DL) तकनीकें पाठ, चित्र या वीडियो जैसे असंरचित डेटा की विशाल मात्रा के अवशोषण के माध्यम से **इस स्वचालित शिक्षण को सक्षम बनाती हैं।**

संभल में हिरासत में मृत्यु

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के संभल ज़िले में पुलिस हिरासत** में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जिसके बाद उसके परिवार और स्थानीय लोगों ने **हिरासत में यातना** का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्य बिंदु

- **घटना: परिचय**
  - पुलिस ने जहाँ इसकी वजह **दिल का दौरा पड़ने की संभावना जताई,** वहीं पीड़ित के **परिवार और स्थानीय लोगों ने चौकी पर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे अधिकारियों को मॉब लिंचिंग** (भीड़ के हमले) से बचने के लिये वहाँ से भागना पड़ा।
  - बाद में, **रैपिड एक्शन फोर्स (RAF)** के जवानों ने क्षेत्र में बल तैनात करके व्यवस्था बहाल की।
- **हिरासत में यातना**
  - **परिचय:**
    - हिरासत में यातना का अर्थ है **किसी व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक पीड़ा या कष्ट देना,** जो पुलिस या अन्य प्राधिकारियों की हिरासत में हो।
    - यह **मानव अधिकारों और गरिमा** का गंभीर उल्लंघन है और इसके परिणामस्वरूप अक्सर **हिरासत में मृत्यु** होती हैं, जो तब होती हैं जब कोई व्यक्ति हिरासत में होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हिरासत में मृत्यु के प्रकार:**
  - **पुलिस हिरासत में मृत्यु:**
- पुलिस हिरासत में मृत्यु अत्यधिक बल प्रयोग, यातना, चिकित्सा देखभाल से इनकार या अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार के कारण हो सकती है।
  - **न्यायिक हिरासत में मृत्यु:**
- न्यायिक हिरासत में मृत्यु भीड़भाड़, खराब स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाओं की कमी, कैदी हिंसा या आत्महत्या के कारण हो सकती है।
  - **सेना या अर्द्धसैनिक बलों की हिरासत में मृत्यु :**
- यह अत्याचार, न्यायेतर हत्या, मुठभेड़ या गोलीबारी की घटनाओं के माध्यम से हो सकता है।
  - **भारत में हिरासत में यातना रोकने में चुनौतियाँ:**
  - **यातना एवं अन्य क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक उपचार या दंड के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCAT)** के अनुसमर्थन का अभाव, जिस पर भारत ने 1997 में हस्ताक्षर किये थे, लेकिन अभी तक इसका अनुसमर्थन नहीं किया है।
- **यह भारत को हिरासत में यातना को रोकने और उससे निपटने** के लिये अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों और मानकों से बंधे रहने से रोकता है।

मानव अधिकारों के लिये अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- **अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, 1948:**
  - अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में एक प्रावधान है जो **लोगों को यातना और अन्य ज़बरन गायब किये जाने से बचाता है।**
- **संयुक्त राष्ट्र चार्टर, 1945:**
  - संयुक्त राष्ट्र चार्टर में **कैदियों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने की आवश्यकता पर ज़ोर** दिया गया है। चार्टर में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कैदी होने के बावजूद, उनके मौलिक स्वतंत्रताएँ और मानव अधिकार **सार्वभौमिक मानव अधिकारों की घोषणा**, अंतर्राष्ट्रीय नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के संधि तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के संधि में निर्धारित हैं।
- **नेल्सन मंडेला नियम, 2015:**
  - नेल्सन मंडेला नियमों को **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2015 में अपनाया गया था ताकि कैदियों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जा सके** तथा यातना और अन्य दुर्व्यवहार पर रोक लगाई जा सके।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने महाकुंभ में प्रमुख परियोजनाओं को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की 22 जनवरी, 2025 को प्रयागराज में **महाकुंभ मेला** स्थल पर एक महत्त्वपूर्ण बैठक हुई।

- राज्य सरकार ने **आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव** के साथ सम्मिश्रित करते हुए सुरक्षित, समृद्ध और बेहतर संपर्क वाला उत्तर प्रदेश बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

बैठक: हाइलाइट्स

- **प्रमुख निर्णय एवं घोषणाएँ:**
  - मंत्रिमंडल ने **राज्य की एयरोस्पेस और रक्षा नीतियों में सुधार को मंज़ूरी प्रदान की।**
  - **उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास और औद्योगिक विकास के दृष्टिकोण** के अनुरूप, इन क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश आकर्षित करने के लिये नए प्रोत्साहन शुरू किये गए।
  - दो महत्त्वपूर्ण एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंज़ूरी मिली:
    - **विंध्य एक्सप्रेसवे:** प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, चंदौली और सोनभद्र को जोड़ने वाली 320 किलोमीटर लंबी परियोजना।
    - **विंध्य-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे:** 100 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाना है।
  - **महत्त्व:**
    - **विंध्य एक्सप्रेसवे प्रयागराज और सोनभद्र** को जोड़ेगा, जो **गंगा एक्सप्रेसवे से शुरू होकर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH 39)** पर समाप्त होगा।
    - यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढाँचे को दृढ़ करेगा और **झारखंड, मध्य प्रदेश** और **छत्तीसगढ़ जैसे पड़ोसी राज्यों तक पहुँच में सुधार करेगा।**
    - इन परियोजनाओं से सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की आशा है, विशेष रूप से **विंध्य और पूर्वांचल क्षेत्रों में** तथा इससे राज्य के एक्सप्रेसवे के मौजूदा नेटवर्क को भी बल मिलेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे

- राज्य को **पूर्व से पश्चिम तक जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे 12 ज़िलों के 518 गाँवों** से होकर गुजरेगा, **जिससे मेरठ और प्रयागराज** के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।
- इसे शुरू में छह लेन के लिये डिज़ाइन किया गया है, जिसे आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है तथा इसकी **अधिकतम गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।**
- एक अन्य महत्त्वपूर्ण विशेषता में **गंगा और रामगंगा नदियों पर बने दो लंबे पुल शामिल हैं,** जो बड़े विमानों को भी उतरने की अनुमति देते हैं। शाहजहांपुर में जलालाबाद तहसील के पास **3.50 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी** इस परियोजना की बहुमुखी प्रतिभा को और बढ़ाती है।
- सार्वजनिक सुविधा बढ़ाने के लिये एक्सप्रेसवे के किनारे नौ सार्वजनिक सुविधा परिसरों की योजना बनाई गई है, जिनमें मेरठ और प्रयागराज में मुख्य टोल प्लाजा और 15 स्थानों पर रैंप टोल प्लाजा शामिल हैं।
- गंगा एक्सप्रेसवे महज एक परिवहन संपर्क मार्ग नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी परिदृश्य को आधुनिक बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

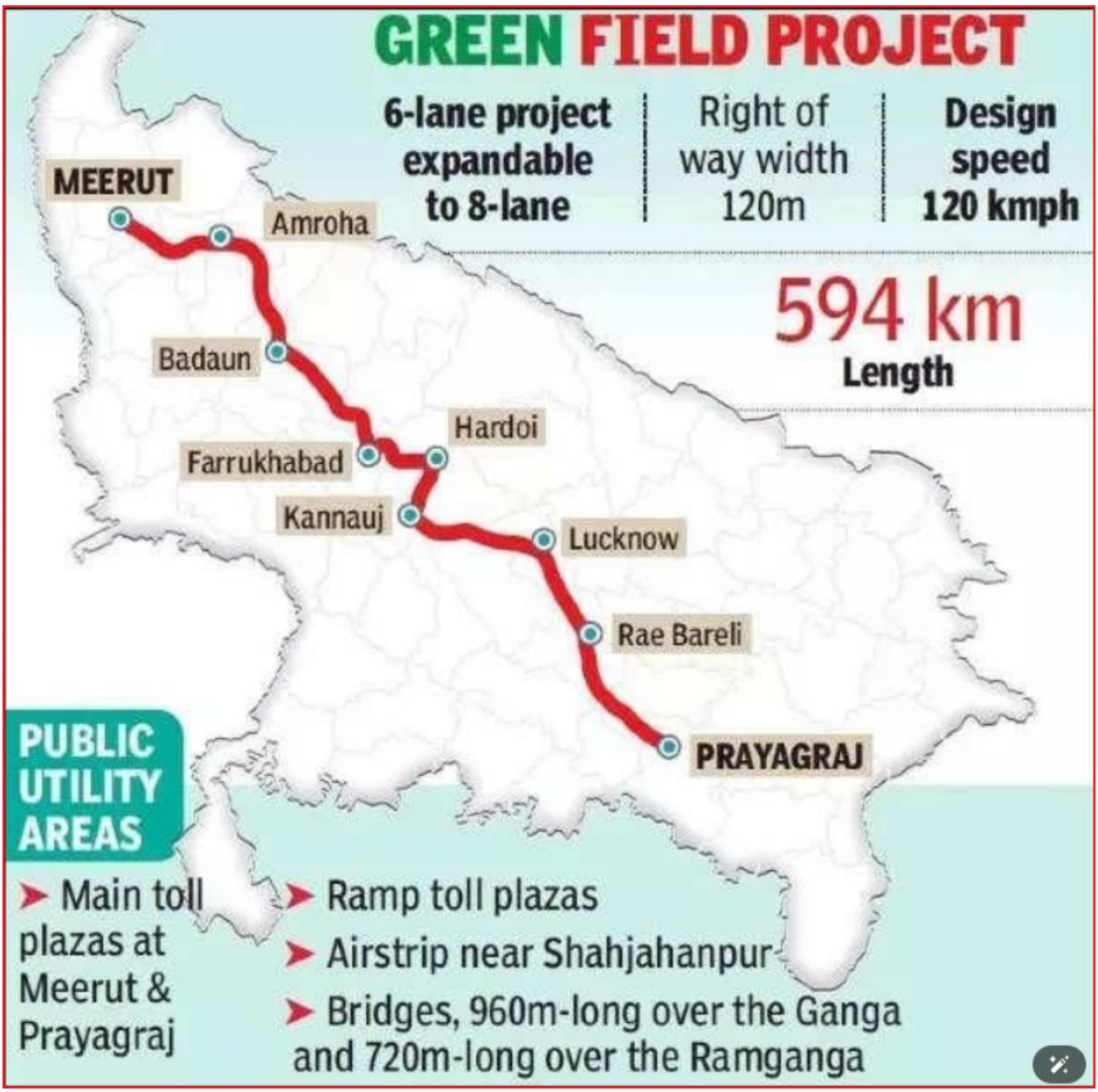

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रयागराज का पहला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान कई महत्त्वपूर्ण पहलों की घोषणा की, जिनमें **शहर के पहले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण** और UP के विभिन्न ज़िलों में **बुनियादी ढाँचे के विकास** के लिये **नगरपालिका बॉण्ड** को स्वीकृति प्रदान करना शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **राज्य सरकार की प्रमुख घोषणा:**
  - **प्रयागराज में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल:**
    - **उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रयागराज में 100 करोड़ रुपए** की लागत से एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की घोषणा की।
    - यह शहर का पहला ऐसा अस्पताल होगा, जिसे **शहरी विकास विभाग द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।**
  - **विकास के लिये नगरपालिका बॉण्ड:**
    - मंत्रिमंडल ने **प्रयागराज, वाराणसी** और **आगरा** में **बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये नगरपालिका बॉण्ड** जारी करने को **मंज़ूरी दी।**
    - इन ज़िलों के लिये **50 करोड़ रुपए** की धनराशि आवंटित की गई है।
    - इससे पहले लखनऊ और गाज़ियाबाद के लिये बॉण्ड जारी किये जा चुके हैं, जिनके परिणाम आशाजनक रहे हैं।
  - **नए मेडिकल कॉलेज:**
    - सरकार ने हाथरस, कासगंज और बागपत में तीन मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की।
  - **औद्योगिक एवं शैक्षिक विकास:**
    - राज्य सरकार की योजना राज्य भर में 62 **औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI)** और पाँच नवाचार, आविष्कार और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की है।
  - **पॉलिसी नवीनीकरण:**
    - उत्तर प्रदेश की एरोस्पेस और रक्षा तथा रोज़गार नीति, जो पाँच वर्ष पूरे कर चुकी है, नए प्रोत्साहनों के साथ नवीनीकरण किया जाएगा ताकि निवेश को आकर्षित किया जा सके।

नगरपालिका बॉण्ड

- **नगरपालिका बॉण्ड (म्यूनिसिपल बॉण्ड)** एक **ऋण प्रतिभूति** है जो किसी **राज्य, नगर पालिका** या काउंटी द्वारा अपने पूंजीगत व्ययों के वित्तपोषण के लिये जारी की जाती है, जिसमें **राजमार्गों, पुलों या स्कूलों का निर्माण** शामिल है।
  - एक **नगरपालिका निगम** नगरपालिका बॉण्ड के माध्यम द्वारा व्यक्तियों या संस्थानों से धन एकत्र है और एक निर्दिष्ट ब्याज राशि का भुगतान करने का वादा करता है, साथ ही एक निश्चित परिपक्वता तिथि पर मूलधन की वापसी करता है।
- ये **अधिकांशत: संघीय करों** तथा अधिकांश राज्य और स्थानीय करों से मुक्त होते हैं, जिससे ये उच्च **आयकर** वर्ग वाले लोगों के लिये विशेष रूप से आकर्षक बन जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश, **जो एक राज्य के रूप में अपने 75 वर्ष पूरे कर रहा है,** का नाम 1950 में **संयुक्त प्रांत** से बदलकर उत्तर प्रदेश कर दिया गया था और यह भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- राज्य ने **राजनीतिक और आर्थिक महत्त्व में वृद्धि की है तथा एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** बनने जैसे महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2025:**
  - उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस 2025 का **विषय "विकास और विरासत: प्रगति के पथ पर उत्तर प्रदेश (Development and Heritage: Uttar Pradesh on the Path to Progress)" है।**
  - राज्य सरकार **राज्य स्थापना दिवस के** अवसर पर **संगीत, कृषि** और **शिक्षा** के क्षेत्र से छह **व्यक्तियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान' पुरस्कार से सम्मानित करेगी।**
- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - उत्तर प्रदेश, जिसे पहले **संयुक्त प्रांत के नाम से जाना जाता था,** का नाम **24 जनवरी, 1950 को भारत के गवर्नर जनरल** द्वारा **संयुक्त प्रांत (नाम परिवर्तन) आदेश, 1950 के** माध्यम से बदल दिया गया।
  - **राज्यपाल राम नाईक** के सुझाव के बाद राज्य ने **वर्ष 2018** में 24 जनवरी को **उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस** के रूप में मनाना शुरू किया।
- **राजनीतिक महत्त्व:**
  - राज्य से **लोकसभा** में **80 सांसद आते हैं,** जिससे राष्ट्रीय राजनीति में इसका काफी प्रभाव है।
  - इसने **नौ प्रधानमंत्री दिये हैं,** जिनमें वर्तमान **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं,** जो संसद में **वाराणसी का प्रतिनिधित्व करते हैं।**
- **आर्थिक आकांक्षाएँ:**
  - **उत्तर प्रदेश अपने BIMARU (आर्थिक रूप से अविकसित) टैग** से आगे बढ़ने और एक **ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत है।
    - **BIMARU:** बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
- **ODOP योजना का परिचय:**
  - इस अवसर का उद्देश्य राज्य के विकास और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई योजनाओं और पहलों को शुरू करना है।
    - स्थानीय उद्योगों और शिल्प को बढ़ावा देने के लिये **वर्ष 2018** में **पहले स्थापना दिवस समारोह** के दौरान **एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) योजना** शुरू की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश का पहला डबल डेकर बस रेस्टोरेंट

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज के **महाकुंभ मेला** क्षेत्र के मीडिया सेंटर में उत्तर प्रदेश के **पहले डबल डेकर बस रेस्टोरेंट, पंपकिन का उद्घाटन किया गया।**

मुख्य बिंदु

- यह रेस्टोरेंट **कुंभ मेले** के धार्मिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से **शाकाहारी** और **सात्विक भोजन देता है।**
- इसे किफायती तरीके से डिज़ाइन किया गया है तथा इसका उद्देश्य आम श्रद्धालुओं के बजट को समायोजित करना है।
- **पंपकिन ब्रांड** के संस्थापक ने **काशी, मथुरा** और **अयोध्या** जैसे अन्य धार्मिक स्थलों तक **ब्रांड का** विस्तार करने की योजना की घोषणा की।

महाकुंभ

- **कुंभ मेला संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - **यह नासिक** में **गोदावरी नदी**, **उज्जैन** में **शिप्रा नदी**, **हरिद्वार में** गंगा और **प्रयागराज** में **गंगा, यमुना** और **पौराणिक सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। संगम को **'संगम'** कहा जाता है।

अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का नया क्षेत्रीय कार्यालय

चर्चा में क्यों ?

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) ने **गंगा नदी** के किनारे **राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (NW-1)** पर **अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT)** गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिये **वाराणसी** स्थित अपने उप-कार्यालय को क्षेत्रीय कार्यालय में उन्नत किया है।

प्रमुख बिंदु

- **IWAI क्षेत्रीय कार्यालय:**
  - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) **केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है।
  - वर्तमान में इसके **पाँच क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी (असम), पटना (बिहार), कोच्चि (केरल), भुवनेश्वर (ओडिशा) और कोलकाता (पश्चिम बंगाल)** में हैं।
  - **वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में नव स्थापित क्षेत्रीय कार्यालय छठा क्षेत्रीय कार्यालय** बन गया है।
    - **वाराणसी कार्यालय मझुआ से वाराणसी मल्टी-मॉडल टर्मिनल (MMT) और प्रयागराज तक 487 किलोमीटर के क्षेत्र में परिचालन का प्रबंधन** करेगा।
    - यह उत्तर प्रदेश में अन्य **राष्ट्रीय जलमार्गों से संबंधित कार्यों की भी देखरेख** करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP):**
  - यह कार्यालय **विश्व बैंक** समर्थित **जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP)** के कार्यान्वयन को प्राथमिकता देगा।
  - इसका उद्देश्य निम्नलिखित के माध्यम से **गंगा नदी (NW-1) की क्षमता को बढ़ाना है:**
    - **नदी संरक्षण कार्य** जैसे कि बाँध बाँधना और रखरखाव ड्रेजिंग।
    - **वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया में MMT,** कालीघाट में एक इंटरमॉडल टर्मिनल और फरक्का (पश्चिम बंगाल) में एक नया नेविगेशनल लॉक सहित प्रमुख बुनियादी ढाँचे का निर्माण।
    - जलमार्ग पर **क्रूज पर्यटन** और निर्बाध माल यातायात को **बढ़ावा देना।**
    - **सामुदायिक घाटों का विकास:**
  - JMVP के अंतर्गत चार राज्यों: **उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 60 सामुदायिक घाटों** का निर्माण किया जा रहा है।
  - इन घाटों का **उद्देश्य स्थानीय यात्रियों**, छोटे और सीमांत किसानों, कारीगरों और मछली पकड़ने वाले समुदायों को **लाभ पहुँचाना** है।
  - वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय इन गतिविधियों की निगरानी करेगा तथा इनका कुशल क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा।
- **उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय जलमार्ग:**
  - उत्तर प्रदेश में लगभग **30 नदियाँ हैं, जिनमें से 10 को राष्ट्रीय जलमार्ग** घोषित किया गया है।
  - यह कार्यालय **गंगा नदी** और उसकी सहायक नदियों **बेतवा, चंबल, गोमती, टोंस, वरुणा, गंडक, घाघरा, कर्मनाशा और यमुना** पर विकास कार्यों की देखरेख करेगा ।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

- यह नौवहन और नौवहन के लिये अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिये **27 अक्तूबर 1986** को अस्तित्व में आया।
- यह मुख्य रूप से **शिपिंग मंत्रालय** से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गों पर **IWT बुनियादी ढाँचे के विकास और रखरखाव के लिये परियोजनाएँ** चलाता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT)

- **परिचय:**
  - अंतर्देशीय जल परिवहन से तात्पर्य किसी देश की सीमाओं के भीतर स्थित **नदियों, नहरों, झीलों और अन्य नौगम्य जल निकायों** जैसे जलमार्गों के माध्यम से लोगों, माल और सामग्रियों के परिवहन से है।
  - IWT **परिवहन का सबसे किफायती तरीका है,** खास तौर पर कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक जैसे थोक सामानों के लिये। वर्तमान में, **भारत के मॉडल मिश्रण में इसका हिस्सा 2% है और इसका कम उपयोग** किया जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय जल परिवहन के सामाजिक-आर्थिक लाभ:**
  - सस्ती परिचालन लागत और अपेक्षाकृत कम ईंधन खपत
  - परिवहन का कम प्रदूषणकारी साधन
  - अन्य परिवहन साधनों की तुलना में भूमि की कम आवश्यकता
  - परिवहन का अधिक पर्यावरण अनुकूल तरीका
  - इसके अलावा, जलमार्गों का **उपयोग नौकायन और मत्स्यन जैसे मनोरंजक उद्देश्यों के लिये भी किया जा सकता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

धनौरी आर्द्रभूमि

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने उत्तर प्रदेश सरकार को जेवर हवाई अड्डे के पास **धनौरी जलाशय को आर्द्रभूमि** के रूप में अधिसूचित करने की स्थिति की जानकारी चार सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- **राज्य सरकार का दृष्टिकोण:**
  - उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता ने कहा कि **सरकार धनौरी को आद्रभूमि के रूप में अधिसूचित करने की प्रक्रिया** में है।
  - NGT पीठ ने अधिसूचना प्रक्रिया पूरी करने के लिये तीन महीने की आवश्यकता पर सवाल उठाया, जबकि स्थल को पहले ही आर्द्रभूमि का दर्जा देने के लिये चिन्हित किया जा चुका है।
- **प्रभागीय वन अधिकारी (DFO):**
  - गौतमबुद्ध नगर के DFO ने हलफनामे के जरिये NGT को बताया कि **प्रस्तावित धनौरी आर्द्रभूमि 112.89 हेक्टेयर** में फैला है।
  - इस क्षेत्र में मुख्य रूप से गौतम बुद्ध नगर की सदर तहसील के धनौरी कलाँ, ठसराना और अमीपुर बांगर गाँवों में स्थित **निजी स्वामित्व वाली भूमि** शामिल है।
  - DFO ने आगे की कार्यवाही करने से पहले **भूमि मालिकों से परामर्श** करने तथा उनकी **सहमति प्राप्त करने के लिये तीन महीने का समय मांगा।**
- **आर्द्रभूमि अधिसूचना और रामसर स्थल प्रक्रिया:**
  - राज्य सरकारें संरक्षण के लिये **झीलों और जल निकायों को आर्द्रभूमि के रूप में अधिसूचित** कर सकती हैं।
  - **रामसर स्थल** के नामकरण के लिये राज्य सरकारों की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार से अनुमोदन की आवश्यकता होती है।
  - पारिस्थितिकी और जैवविविधता मानदंडों के अंतर्गत योग्य आर्द्रभूमियों की पहचान **वर्ष 1971 की अंतर्राष्ट्रीय रामसर अभिसमय संधि** के तहत की जाती है, जो विशेष संरक्षण उपायों को सुनिश्चित करती है।

धनौरी आर्द्रभूमि

- **अवस्थिति:**
  - **उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर ज़िले के ग्रेटर नोएडा** में स्थित है।
  - यह **ओखला पक्षी अभयारण्य** और **सूरजपुर आर्द्रभूमि** के निकट स्थित है।
  - यह **यमुना नदी** से लगभग 15 किमी दूर, यमुना बेसिन के बाढ़ क्षेत्र में स्थित है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:**
  - मुख्य रूप से दलदलों से निर्मित यह आर्द्रभूमि संकटग्रस्त **सारस क्रेन** (***Antigone***) के लिये एक आवश्यक आवास है।
  - यहाँ विभिन्न प्रकार की पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें शामिल हैं:
    - कॉमन टील

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- नीलसर (Mallard)
- नॉर्थ पिनटेल
- ग्रेलैग गीज़
- **बार-हेडेड गीज़**
- **वूली नेक्ड स्टॉर्क**
- काली गर्दन वाला सारस (Black-Necked Stork)
- **चित्रित सारस (Painted Stork)**
- यूरेशियन मार्श हैरियर

- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **बर्डलाइफ इंटरनेशनल** द्वारा एक **महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** के रूप में मान्यता प्राप्त।

गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश की झाँकी

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश की गणतंत्र दिवस झाँकी में प्रयागराज में चल रहे **महाकुंभ का उत्सव मनाया गया, जिसमें ' समुद्र मंथन', 'अमृत कलश' और संगम तट** पर स्नान करते संतों को दर्शाया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **मुख्य विषय एवं केंद्र:**
  - 76वें गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण **संविधान लागू होने के पूरे 75 वर्ष,** रहा।
  - इस झाँकी का थीम या विषय **'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' था,** जो भारत की विरासत और प्रगति पर प्रकाश डालता है।
- **उत्तर प्रदेश की झाँकी की मुख्य विशेषताएँ:**
  - झाँकी में **महाकुंभ 2025 की भव्यता को दर्शाया गया तथा विरासत और विकास के संगम का** चित्रण किया गया।
  - आगे की ओर झुका हुआ एक प्रमुख **'अमृत कलश' पवित्र 'अमृतधारा' के प्रवाह का प्रतीक है।**
  - ऋषियों और मुनियों को शंख बजाते, संगम पर स्नान करते और ध्यान करते हुए दर्शाया गया है, जबकि भक्तगण **गंगा, यमुना** और प्राचीन **सरस्वती** के **पवित्र जल** में डुबकी लगाते हैं।
- **पौराणिक एवं सांस्कृतिक चित्रण:**
  - झाँकी में **'समुद्र मंथन'** की पौराणिक कथा का जीवंत चित्रण किया गया, जो महाकुंभ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व का प्रतीक है।
  - पीछे की ओर **समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों को कलात्मक ढंग से दर्शाया गया।**
- **महाकुंभ 2025 की तकनीकी विशेषताएँ:**
  - झाँकी में कुंभ में कुशल सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिये एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (ICCC) के माध्यम से तकनीकी प्रगति पर ज़ोर दिया गया है।
  - यह विशाल सभा के प्रबंधन के लिये **अत्याधुनिक डिजिटल तैयारियों** पर प्रकाश डालता है।

गणतंत्र दिवस

- गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 1950 को भारत के संविधान को अपनाने तथा देश के गणतंत्र में परिवर्तन की याद में मनाया जाता है, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ।
  - संविधान को **भारत की संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949** को अपनाया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया।

भारतीय संविधान ने 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी होने पर **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 और भारत सरकार अधिनियम 1935 को निरस्त कर दिया।** भारत ब्रिटिश राज का अधिराज्य नहीं रहा और **संविधान सहित एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया।**

पद्म पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

बिहार से सात लोगों को प्रतिष्ठित **पद्म पुरस्कारों के लिये चयनित किया गया,** जिनमें प्रख्यात **गायिका शारदा सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी** और प्रख्यात **सामाजिक कार्यकर्त्ता आचार्य किशोर कुणाल शामिल हैं।**

मुख्य बिंदु

- **विजेताओं की घोषणा:**
  - केंद्र सरकार ने **गणतंत्र दिवस** की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की।
  - **देश भर से कुल 139 लोगों** को विभिन्न श्रेणियों में **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों के लिये चुना** गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पद्म विभूषण पुरस्कार:**
  - **'बिहार कोकिला'** के नाम से प्रसिद्ध गायिका **शारदा सिन्हा को उनकी असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये** मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पद्म भूषण पुरस्कार:**
  - बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री **सुशील कुमार मोदी को सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में मरणोपरांत पद्म भूषण के लिये चुना गया है।**
  - देशभर में पद्म भूषण पाने वाले 19 लोगों में वे बिहार से एकमात्र व्यक्ति हैं।
- **पद्म श्री पुरस्कार:**
  - प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता और **महावीर संस्थान के संस्थापक किशोर कुणाल को पद्मश्री पुरस्कार** प्रदान किया जाएगा।
  - **बिहार से पद्मश्री प्राप्त करने वाले अन्य लोगों में शामिल हैं:**
  - सामाजिक कार्य में **भीम सिंह भावेश,**
  - **हेमंत कुमार को** चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये,
  - कला क्षेत्र में योगदान के लिये **निर्मला देवी,**
  - आध्यात्म में **विजय नित्यानंद सूरिश्वर जी महाराज।**

बलिया में संभावित पेट्रोलियम भंडार

चर्चा में क्यों ?

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों से क्षेत्र में **पेट्रोलियम भंडार की संभावना का** संकेत मिलने के बाद **तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) ने उत्तर प्रदेश के बलिया** में ड्रिलिंग कार्य शुरू कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण और अन्वेषण:** ONGC ने **पिछले तीन वर्षों** में **उपग्रह, भू-रासायनिक, गुरुत्वाकर्षण-चुंबकीय और मैग्नेटो-टेल्यूरिक (MT) सर्वेक्षण किये,** जिनसे तेल और प्राकृतिक गैस भंडार की संभावना की पुष्टि हुई।
  - **मैग्नेटो-टेल्यूरिक (MT)** एक भूभौतिकीय विधि है जो भूमिगत **विद्युत प्रतिरोधकता का अध्ययन करने के लिये पृथ्वी के चुंबकीय** और **विद्युत क्षेत्र में प्राकृतिक परिवर्तनों का उपयोग करती है।**
- **रिलिंग कार्य: ₹100 करोड़ की अनुमानित लागत** वाली इस परियोजना में **ग्राम सभा वैना (रत्तुचक)** में **सागर पाली गाँव** के निकट एक स्थल पर **3,001 मीटर** तक ड्रिलिंग शामिल है।
- **भूमि एवं बुनियादी ढाँचा:** ONGC ने **तीन वर्ष** के लिये **आठ एकड़ भूमि पट्टे पर ली है।**
- **संभावित प्रभाव:** यदि पेट्रोलियम भंडार की पुष्टि हो जाती है, तो यह परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है, स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा दे सकती है और पूर्वी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन ला सकती है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)

- **तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ONGC),** पूर्व में **तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, की स्थापना वर्ष 1956** में हुई थी ।
- **वर्ष 1994** में तेल एवं **प्राकृतिक गैस आयोग को** निगम में परिवर्तित कर दिया गया तथा **वर्ष 1997** में इसे भारत सरकार द्वारा **नवरत्नों में से एक के रूप में मान्यता दी गई।**
  - इसके बाद **वर्ष 2010 में इसे महारत्न का दर्जा** प्रदान किया गया।
- यह भारत की **सबसे बड़ी कच्चा तेल** और **प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो** भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग **70% का योगदान देती है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गंगा बेसिन

- गंगा की मुख्य धारा जिसे 'भागीरथी' कहा जाता है, गंगोत्री ग्लेशियर से मिलती है और उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।
- हरिद्वार में गंगा पहाड़ों से निकलकर मैदानों में आती है।
- गंगा में हिमालय से कई सहायक नदियाँ मिलती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख नदियाँ हैं जैसे यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी।

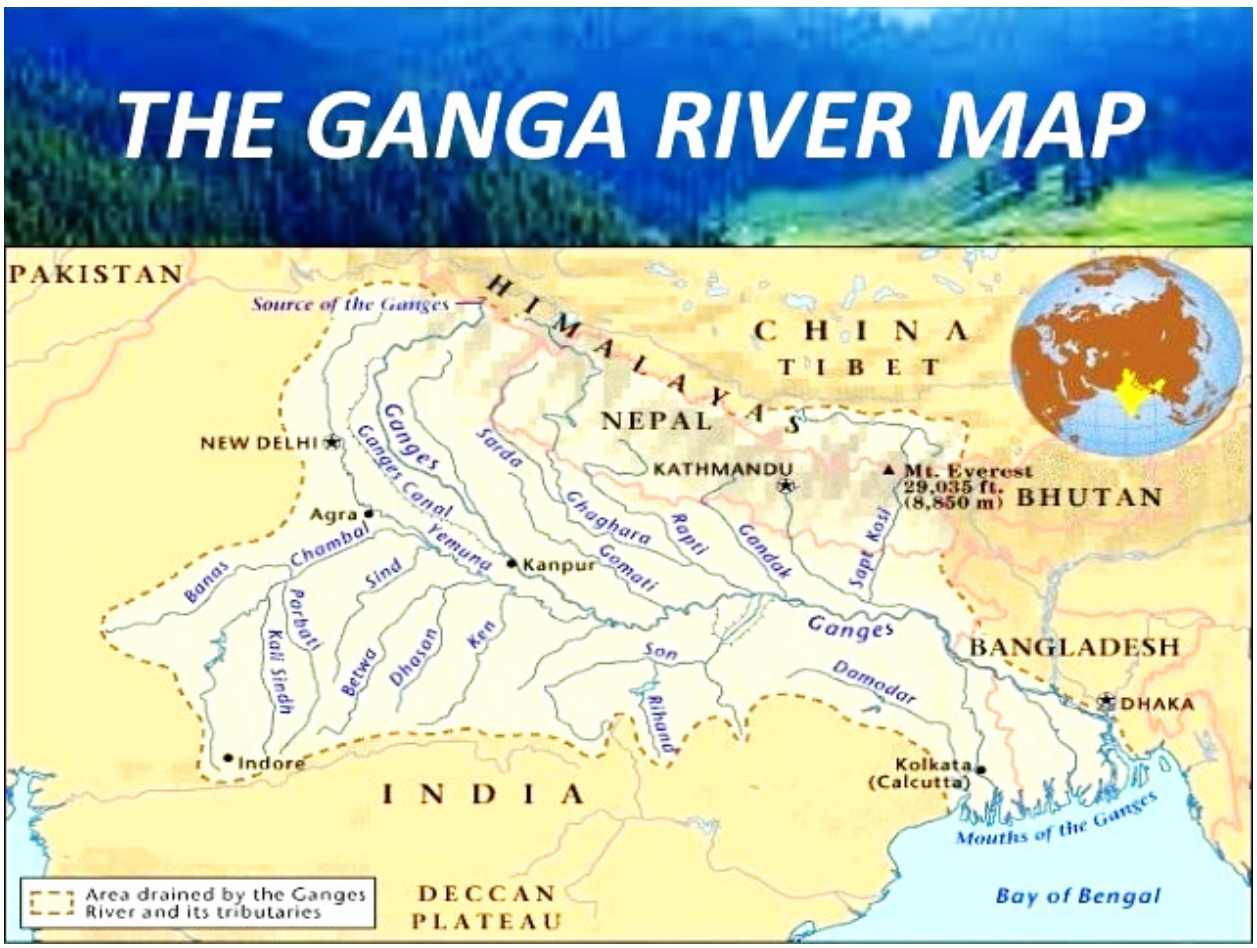

महाकुंभ 2025 में मची भगदड़

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज में **त्रिवेणी संगम** (गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम) पर उस समय दुखद भगदड़ मच गई, जब हज़ारों श्रद्धालु **महाकुंभ** में **मौनी अमावस्या** '**अमृत स्नान**' के लिये एकत्र हुए थे।

- भारी भीड़ के कारण **हालात बिगड़ गए** और **भगदड़ मच गई,** जिससे कई **लोगों की जान** चली गई और **कई घायल** हो गए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **अमृत स्नान का महत्त्व:**
  - **मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान** महाकुंभ 2025 का सबसे महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान है तथा यह आयोजन **'त्रिवेणी योग' के दुर्लभ खगोलीय संरेखण के कारण और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है,** जो प्रत्येक **144 वर्षों में एक बार होता है।**
  - अमृत स्नान से एक दिन पहले ही करीब **पाँच करोड़ श्रद्धालु पहुँच चुके थे और संभावना है कि** उसी दिन यह संख्या **10 करोड़** तक पहुँच जाएगी।
- **मौनी अमावस्या:**
  - **परिचय:**
    - **मौनी अमावस्या, जिसे माघी अमावस्या** या **माघ अमावस्या** के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्त्वपूर्ण दिन है जो **माघ महीने के दौरान अमावस्या (अमावस्या)** पर आता है।
    - आध्यात्मिक रूप से महत्त्वपूर्ण यह दिन उत्तर भारतीय कैलेंडर की परंपराओं में गहराई से निहित है।
    - यह पवित्र अनुष्ठानों के माध्यम से **आत्मनिरीक्षण, मौन** और **आत्मा शुद्धि द्वारा चिह्नित है, जिसमें गंगा नदी में पवित्र स्नान** इसकी सबसे प्रमुख प्रथाओं में से एक है।
  - **मौनी अमावस्या 2025 का महत्त्व:**
    - **मौनी शब्द संस्कृत शब्द "मौन"** से लिया गया है, जिसका अर्थ है **"चुप्पी या न बोलने की स्थिति"।**
    - इस दिन मौन व्रत रखना भक्तों के बीच एक आम प्रथा है, जो **आध्यात्मिक अनुशासन** और **आंतरिक शांति को बढ़ावा देती है।**
    - **मौन को आत्म-शुद्धिकरण** और **आध्यात्मिक विकास** हेतु एक शक्तिशाली साधन माना जाता है।
    - **ऐसा माना जाता है कि कुंभ मेले** के दौरान **त्रिवेणी संगम** में **पवित्र डुबकी लगाने** से भक्तों के पाप धुल जाते हैं और वे **मोक्ष** की ओर अग्रसर होते हैं।
    - इसके अतिरिक्त, **मौनी अमावस्या** पर **पूर्वजों के सम्मान** हेतु अनुष्ठान करने से खुशी और आशीर्वाद प्राप्त होता है, साथ ही **पितृ दोष** को कम करने में सहायता मिलती है, जिससे पैतृक कर्म असंतुलन का सामना करने वालों को राहत मिलती है।

अनाधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करने हेतु नए नियम

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करने से पहले **एजेंसियों के लिये दिशा-निर्देश** जारी किये हैं।

- **ध्वस्तीकरण को अंतिम रूप देने से पहले नोटिस अवश्य दिया जाना चाहिये तथा व्यक्तिगत सुनवाई** का अवसर भी प्रदान किया जाना चाहिये।

मुख्य बिंदु

- **ध्वस्तीकरण के नये नियम:**
  - **अनिवार्य कारण बताओ सूचना एवं प्रतीक्षा अवधि:**
    - कारण बताओ सूचना जारी किये बिना कोई भी ध्वस्तीकरण कार्य नहीं किया जाना चाहिये।
    - एजेंसियों को ध्वस्तीकरण का आदेश देने से पहले नोटिस प्राप्ति की तारीख से **15 दिन तक प्रतीक्षा करनी होगी।** नियम **अपील का अवसर प्रदान करते हैं,** अंतिम आदेश के बाद **15 दिनों** के लिये ध्वस्तीकरण में देरी होनी चाहिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- मालिकों/कब्ज़ेदारों को अनाधिकृत संरचनाओं को स्वयं हटाने या ध्वस्त करने के लिये **15 दिन का समय** दिया जाना चाहिये।

◆ **पारदर्शिता उपाय:**

- **नोटिस, उत्तर** और **आदेश सहित सभी कार्यों का दस्तावेजीकरण करने के लिये तीन महीने के भीतर** एक डिजिटल पोर्टल स्थापित किया जाना चाहिये।
- **नोटिस ज़िला मजिस्ट्रेट (DM) कार्यालय को ईमेल के माध्यम से** स्वचालित पावती के साथ भेजे जाने चाहिये।
- व्यक्तिगत सुनवाई के विवरण अवश्य दर्ज किये जाने चाहिये।

◆ **विध्वंस आदेश एवं अनुपालन:**

- अंतिम आदेश में निम्नलिखित का उल्लेख होना चाहिये:

◆ क्या संरचना **समझौता योग्य है** (शुल्क देकर नियमित किया जा सकता है)।

◆ **अनाधिकृत/गैर-शमनीय** भागों का विवरण।

◆ विध्वंस क्यों आवश्यक है?

- इन नियमों का पालन न करने पर अधिकारियों के विरुद्ध **अवमानना कार्यवाही** और **अभियोजन चलाया जा सकता है।**

◆ **कानूनी एवं प्रशासनिक टिप्पणियाँ:**

- नये नियमों में कई कदम पहले से ही विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत मौजूद हैं।
- नई सुविधाओं का उद्देश्य ध्वस्तीकरण में **पारदर्शिता और स्थिरता में सुधार लाना है।**
- ज़ल्दबाजी में किये गए **ध्वस्तीकरण** और **पुराने ध्वस्तीकरण आदेशों के लंबित रहने के** कारण **कदाचार** और **अनाधिकृत निर्माण को बढ़ावा मिलता है।**
- नगर निगम के अधिकारियों ने अनुपालन की पुष्टि की और स्पष्ट किया कि अस्थायी अतिक्रमणों से **उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959** के तहत निपटा जाएगा।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :